महीने में 25 दिन लेट रहती है आजाद हिंद एक्सप्रेस

- गुरुवार को सुबह 11 बजे आने वाली ट्रेन शुक्रवार को शाम 4 बजे पहुंची
- अत्याधिक विलंब होने के बाद भी रीस्टोर करने रेलवे ट्रेन नहीं कर रहा रद्द

हरिभूमि ने जब आजाद हिंद एक्सप्रेस की पड़ताल की, तो पता चला कि यह ट्रेन महीने में 25 दिन विलंब ये चलती है। विलंब 4 से 5 घंटे नहीं पूरे 15 से 18 घंटे देर से रायपुर पहुंचती है। महीनेभर में 5 बार विलंब से रद्द हो चुकी है। ट्रेन समय पेयरिंग नहीं मिल पा रही है। जिन यात्रियों को मालूम है यह ट्रेन अत्यधिक विलंब से चलती है, उन्होंने अब ट्रेन में सफर करना ही बंद कर दिया है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि पटरियों का काम के कारण ट्रेन प्रभावित हो रही है, लेकिन इसी मार्ग से आने वाली दूसरी ट्रेन समय पर पहुंच रही हैं। केवल आजाद हिंद ही अत्याधिक विलंब से चल रही है। स्टेशन में ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों का कहना है कि रेलवे यात्रियों का समय खराब कर रहा है।

हरिभूमि
रायपुर भूमि

आजाद हिंद ने खोया भरोसा, 30 घंटे विलंब से पहुंची, सैकड़ों ने की यात्रा रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे के इतिहास में हावड़ा से पुणे के बीच चलने वाली आज़ाद हिन्द एक्सप्रेस सबसे विलंब से चलने वाली ट्रेनों की सूची में शामिल हो चुकी है। पहले यह ट्रेन 5 से 6 घंटे तक अपने निर्धारित समय से देर में पहुंचती थी, लेकिन अब इस ट्रेन में अपने ही सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आजाद हिंद शुक्रवार को 30 घंटे विलंब से रायपुर पहुंची। यह ट्रेन गुरुवार को सुबह 10 बजे आने वाली थी, जो शुक्रवार को शाम 4 बजे पहुंची। रेलवे के जानकारों के मुताबिक राजधानी से गुजरने वाली पहली ट्रेन है जो अत्यधिक विलंब से चली है। रेलवे आमतौर पर ट्रेन के 15 से 18 घंटे विलंब होने पर ट्रेन को रीस्टोर करने रद्द कर देता था, ताकि ट्रेन अपने निर्धारित समय से चले, लेकिन आज़ाद हिन्द एक्सप्रेस पूरे एक दिन से अधिक विलंब होने के बाद भी इसे रद्द नहीं किया। ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

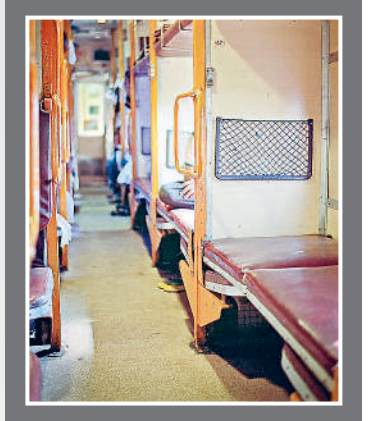

स्लीपर और एसी कोच रहे खाली

शुक्रवार को जब ट्रेन रायपुर पहुंची, तो स्लीपर से लेकर एसी कोच खाली नजर आए। ट्रेन में केवल वही यात्री सफर करते नजर आए, जिन्होंने ट्रेन का टिकट आज खरीदा था या फिर कल। पहले से रिजर्वेशन करवा चुके ज्यादातर यात्रियों ने 30 घंटे विलंब होने से रद्द करवा दिया था। रायपुर आरक्षण केंद्र में ही 100 से अधिक यात्रियों के आजाद हिंद का टिकट रद्द कराने की जानकारी मिली है। इसी तरह बिलासपुर में 150 और जोन के दुर्ग, नागपुर, गोंदिया से हजारों यात्रियों ने सफर रद्द कर दिया।

खबर संक्षेप

किशोरी का अपहरण थाने में शिकायत दर्ज

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक महिला ने अज्ञात के खिलाफ अपने 13 साल की बेटी को झांसा देकर अपहरण कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। देवपुरी निवासी प्रिया जोशी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का अपराध दर्ज की है। प्रिया ने पुलिस को बताया कि चार दिन पूर्व 21 मई को उनकी बेटी रात को घर से गायब हो गई। परिजनों के अलावा आसपास पतासाजी करने के बाद भी किशोरी के नहीं मिलने पर प्रिया ने थाने में अपनी बेटी का अपहरण होने की शिकायत दर्ज कराई है।

सूने मकान में धावा, कैश जेवर समेत 4 लाख की चोरी

रायपुर। कबीर नगर थाने में एक इलेक्ट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर सेल्स मैनेजर ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपने सूने मकान से चार लाख रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी आठ हजार रुपए चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारुति होम फ्लैट निवासी सुनील कुमार गुप्ता ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सुनील ने पुलिस को बताया कि वह 17 से 20 मई के बीच ऑफिशियल कार्य के अलावा परिवार को लेने मध्यप्रदेश के बिरसिंगपुर गया था। इस दौरान चोरों ने सुनील के मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखी नकदी तथा जेवरों पर हाथ साफ कर दिया।

वाहन चलाने के विवाद पर युवक से मारपीट

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक युवक ने एक्टिवा सवार दो अज्ञात युवकों के खिलाफ वाहन चलाने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। डीडीनगर निवासी संतराम दिवाकर ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। संतराम ने पुलिस को बताया कि अवंति बाई चौक के पास एक्टिवा सवार दो युवक उसे बाइक ठीक से चलाने की बात कहते हुए गाली-गलौज किए तथा मारपीट की।

कमरा खाली कराने के विवाद पर महिला को पीटा

रायपुर। सेजबहार थाने में एक महिला ने चार लोगों के खिलाफ कमरा खाली कराने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी नीलम देवांगन ने पूजा, सिमरन, शक्ति तथा कमलेश के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वे लोग जिस कमरे में रहते हैं, पूजा तथा उसके अन्य साथियों ने उस कमरे को खाली कराने नीलम तथा उसके पति के साथ मारपीट की।

आपसी रंजिश में कॉलेज के छात्र की पिटाई

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक कॉलेज छात्र ने दो छात्रों तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बीसीए के छात्र हर्ष सोनी ने सुमित मिश्रा, हर्ष तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। हर्ष सोनी ने पुलिस को बताया कि आपसी रंजिश के चलते सुमित तथा उसके साथियों ने उसे कॉल कर चंगोराभाठा बुलाया। इसके बाद हर्ष अपने एक अन्य साथी के साथ बताए गए पते पर पहुंचा तो सुमित तथा उसके साथियों ने उनके साथ मारपीट की।

स्कूल शिक्षण संघ का एक पक्ष सौदा के विरोध में थाने में कर चुका है शिकायत, जांच जारी

गुजराती स्कूल की बेशकीमती जमीन बेचने लैंड यूज बदला, कंट्री प्लानिंग करेगा जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के गुजराती स्कूल की जमीन को मार्केट वैल्यू से आधे से भी कम कीमत पर बेचे जाने के मामले में नया मोड़ आया है। बताया जा रहा है कि स्कूल की जमीन का लैंड यूज बदलकर उसे बेचा गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों ने बताया कि मास्टर प्लान 2031 को तैयार करने में कई गड़बड़ियां की गई हैं। इन गड़बड़ियों का खुलासा जांच कमेटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में हो चुका है। इस जांच में गुजराती स्कूल की जमीन का लैंड यूज बदले जाने की भी गड़बड़ी पाई गई है। इस आधार पर जांच कमेटी अब गुजराती स्कूल की जमीन की भी जांच करेगी।

खास खबर

थाने में भी लिखित शिकायत

शिक्षण संघ के सदस्यों ने स्कूल की जमीन को मनमाने तरीके से बेचे जाने के विरोध में देवेंद्र नगर थाने में शिकायत भी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामले को जांच में लेते हुए फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं की है।

लैंड यूज बदले जाने का मामला, कमेटी करेगी जांच

मास्टर प्लान 2031 में गुजराती स्कूल की जमीन का लैंड यूज बदले जाने की गड़बड़ी मिली है। कमेटी की प्रारंभिक जांच में गड़बड़ी मिली है। इसकी जांच होगी।

- **सौरभ कुमार**, डायरेक्टर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग

शिकायत पर जांच जारी

गुजराती शिक्षण संघ के सदस्यों ने समिति के पदाधिकारियों के विरुद्ध मनमाने तरीके से स्कूल की जमीन बेचे जाने की लिखित में शिकायत की है। इस शिकायत पर जांच की जा रही है। जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

- **संतोष सिंह**, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर

करीब 60 करोड़ की जमीन का 24 करोड़ में सौदा

शहर के पुराने स्कूलों में गुजराती स्कूल भी शामिल था। इस स्कूल के बंद होने के बाद स्कूल की 21159 वर्गफीट जमीन को बेच दिया गया है। स्कूल की समिति ने इस जमीन को किसी रियल एस्टेट कंपनी को 24 करोड़ में बेचा गया है। इधर इस जमीन की बिक्री की जानकारी मिलते ही स्कूल शिक्षण संघ के सदस्य इसके विरोध में उतर आये हैं। सदस्यों का आरोप है कि समिति के अध्यक्ष और सचिव ने मनमानी करते हुए जमीन का सौदा मार्केट वैल्यू से आधे से भी कम कीमत पर किया है। सूत्रों के अनुसार इस जमीन के सौदे को लेकर गुजराती स्कूल समिति और शिक्षण संघ के बीच इस सौदे के पूर्व बैठक भी हुई थी। इस बैठक में शिक्षण संघ के सदस्यों ने सौदे का जमकर विरोध किया था। इसके बाद भी इस जमीन का सौदा कर उसे बेच दिया गया है।

सार्वजनिक-अर्ध सार्वजनिक लैंड यूज को मिश्रित कर दिया गया

गुजराजी स्कूल की जमीन सार्वजनिक व अर्ध सार्वजनिक लैंड यूज में आता है। सूत्रों के अनुसार इस जमीन को बेचना था, इसलिए मास्टर प्लान में इस जमीन का लैंड यूज बदलकर मिश्रित कर दिया गया है।

खुले में रखे जा रहे मेडिकल वेस्ट की बदबू से मरीज-डाक्टर परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आंबेडकर अस्पताल की मरचुरी के पीछे कचरे का ढेर

मरीजों के इलाज के बाद निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को निष्पादन के लिए खुले में रखा जाना आंबेडकर अस्पताल के मरीजों के साथ चिकित्सकों की भी परेशानी का कारण बनने लगा है। संबंधित कंपनी द्वारा कचरा उठाने से पहले उठने वाले बदबू से लोगों दिक्कत हो रही है।

जानकारी के अनुसार के पर्यावरण संरक्षण के नियमों के अनुसार अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को सुरक्षित रखरखाव के साथ नष्ट किया जाना है। ऐसा नहीं करने पर संबंधित चिकित्सकीय संस्थानों पर जुर्माना भी किया जाता है। पिछले कुछ ⏭शेष पेज 13 पर

पीएचसी पर चार दिन पहले जुर्माना

चार दिन पहले ग्रीम ट्रिब्यूनल द्वारा बेमेतरा जिले के देवकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने तैयार मानकों का पालन नहीं करने पर करीब 59 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के तहत प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों द्वारा कुछ समय पहले स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया था। उन्हें चेतावनी दी गई है कि पंद्रह दिन के भीतर अगर जुर्माने की राशि जमा नहीं की गई, तो संस्था को बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।

दिल्ली में पुलिस ने उसी बिल्डिंग में फ्लैट किराये पर लिया, जहां चल रहा था सट्टा, पांच को दबोचा, इनमें दो नेपाली

- सटोरियों को पकड़ने पुलिस ने उसी अपार्टमेंट में किराए पर फ्लैट लेकर की रैकी
- महादेव सट्टा एप से जुड़े 10 मामलों में अब तक 67 सटोरिये गिरफ्तार, 110 करोड़ रुपए से ज्यादा का लेन-देन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी पुलिस ने दिल्ली के एक फ्लैट में छापा मारकर महादेव सट्टा एप से जुड़े अन्ना रेड्डी पैनल से आईपीएल क्रिकेट में सट्टा संचालित करते पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सटोरियों में दो नेपाल के रहने वाले हैं। सटोरियों के कब्जे से पुलिस ने आधा दर्जन बैंक अकाउंट के पासबुक के साथ 22 एटीएम कार्ड तथा चार चेकबुक जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक अन्ना रेड्डी आर-555 की लाइन लेकर सट्टा संचालित करने के आरोप में नेपाल निवासी जीब नारायण पाण्डेय, ईस्सोरी प्रसाद पाण्डेय के साथ मध्यप्रदेश, नरसिंहपुर निवासी रोहित क्षेतीजा, उत्तरप्रदेश, बलिया निवासी रविशंकर सिंह गोंड तथा कबीरधाम निवासी शुभम निषाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पांचों सटोरियों को पूर्व में डीडीनगर थाना क्षेत्र में पकड़े गए सटोरिया अनिल आहूजा की निशानदेही पर गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सटोरिये दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट का एक फ्लैट किराए पर लेकर सट्टा संचालित कर रहे थे।

अब तक 110 करोड़ रुपए से ज्यादा का भंडाफोड़

पुलिस के अनुसार इस आईपीएल सीजन में महादेव सट्टा एप से जुड़े 10 अलग-अलग प्रकरण में 67 सटोरियों को गिरफ्तार कर 110 करोड़ रुपए के सट्टा का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस के अनुसार बैंक में जमा रकम को फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है। ताजा मामले में पुलिस ने सटोरियों के अकाउंट की जांच कर आगे की कार्रवाई करने की जानकारी दी है।

लगातार कार्रवाई के बाद भी चुनौती दे रहे

गौरतलब है कि महादेव सट्टा एप को लेकर स्थानीय पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। बावजूद इसके सटोरिये पुलिस को चुनौती देते हुए सट्टा संचालित कर रहे हैं। पुलिस ने जिन सटोरियों को गिरफ्तार किया है, उनके बारे में पुलिस को जानकारी मिली है कि उन्होंने आईपीएल क्रिकेट मैच शुरू होने के पूर्व से ही सट्टा संचालित करने किराए पर फ्लैट ले लिया था। फ्लैट किराए पर लेने से पहले सटोरियों ने फ्लैट मालिक को अपना ऑनलाइन बिजनेस संचालित करने का काम बताया था।

जिस अपार्टमेंट में सट्टा उसी में पुलिस ने किराए पर फ्लैट लिया

पुलिस के अनुसार सटोरियों द्वारा दिल्ली के जिस अपार्टमेंट का फ्लैट किराए पर लेकर सट्टा संचालित किया जा रहा था, इसकी जानकारी मिलने पर सटोरियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस की टीम ने उसी अपार्टमेंट में किराए पर फ्लैट लेकर वहां रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी एकत्रित की। इसके बाद जहां सट्टा संचालित किया जा रहा था, उस फ्लैट को पुलिस चिन्हांकित कर सटोरियों पर नजर रखने लगी। पुष्टि होने पर पुलिस टीम ने फ्लैट में धावा बोलकर सटोरियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

पचास फीसदी से ज्यादा नमी दिन में छुड़ा रही पसीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में दिन के वक्त वातावरण में पचास प्रतिशत से ज्यादा नमी होने की वजह से लोग पसीना से तरबतर हो रहे हैं। उमस वाली गर्मी से देर रात बाद राहत मिल रही है। अनुमान है कि आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक असर दिखाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अभी बंगाल की खाड़ी से भारी मात्रा में नमी का प्रवेश हो रहा है, जिसकी वजह से दिन में तापमान का पारा तो बहुत अधिक ऊपर नहीं चढ़ पा रहा है, मगर उमस वाली गर्मी लोगों को बेचैन कर रही है। तेज धूप की वजह से लोग पसीना से तरबतर हो रहे हैं और कूलर-पंखा भी राहत नहीं दे पा रहा है। शुक्रवार को भी कुछ इसी तरह की स्थिति रही और दिन का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में तापमान के साथ गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। आज प्रदेश में सर्वाधिक तापमान दुर्ग का 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के मानें, तो पूरे मई में इस बार रात का तापमान सामान्य से एक डिग्री भी अधिक नहीं हो पाया है।

एसयूवी का इंतजार खत्म, किसी भी मॉडल में दो माह से ज्यादा की वेटिंग नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में चारपहिया वाहनों में लंबी वेटिंग का दौर अब लगभग समाप्ति की तरफ चल पड़ा है। अब एसयूवी की किसी भी कार के मॉडल के लिए महज दो माह का ही इंतजार करना पड़ रहा है। बीते दो तीन सालों से कई मॉडलों में एक से डेढ़ साल तक की वेटिंग चल रही थी, लेकिन अब सप्लाई ज्यादा होने के कारण ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। अब मनपसंद मॉडल आसानी से मिल रहे हैं। वैसे जहां तक ऑन डिमांड का सवाल है तो 5 से 8 लाख ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

5 से 8 लाख तक की कम बजट वाली कारें मिल रहीं ऑन डिमांड

अब वेटिंग कम

कारों में अब वेटिंग बहुत कम हो गई है। कोई भी मॉडल डेढ़ से दो माह के अंदर मिल जा रहा है।

- **विवेक गर्ग**, अध्यक्ष राजधानी ऑटोमोबाइल एसोसिएशन

एसयूवी का क्रेज ज्यादा

बहुत-सी ऐसी कंपनियां हैं, जो एसयूवी टाइप की गाड़ियां बनाती हैं। इस गाड़ी को बनाने का मकसद ये है कि यह किसी भी परिस्थिति में और कहीं पर भी चलाई जा सकती है। जैसे शहरों में रोड पर, हाईवे पर, फॉरेस्ट रोड पर, फॉर्म लैंड में इसे चला सकते हैं। यह गाड़ी सामान्य कारों की अपेक्षा थोड़ी महंगी होती है और सामान्य कारों की अपेक्षा अधिक हॉर्स पावर का इंजन बनाया गया है। आज के समय में एसयूवी श्रेणी के मॉडल बहुत ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। यही वजह है कि इनकी डिमांड ज्यादा होने से इन कारों में वेटिंग रहती है।

स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम, दो-दो शिक्षकों को देंगे ट्रेनिंग

19 जिलों के 9456 स्कूलों में संचालित होगी योजना बनाएंगे एप भी

आंखों की एक्सरसाइज अधूरी, अब पूरी सेहत बनाने छात्रों को दी जाएगी शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आंखों की एक्सरसाइज की योजना पूरी नहीं हो पाई है और स्वास्थ्य विभाग स्कूलों के बच्चों को पूरे सेहत की शिक्षा देने की योजना पर काम शुरू कर चुका है। स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम के तहत 19 जिलों के 9456 स्कूलों के शिक्षकों को इसी ट्रेनिंग दी जाएगी, जो बच्चों को इसका पाठ पढ़ाएंगे। योजना को सफल संचालन के लिए एप भी तैयार करने की योजना है। जानकारी के ⏭शेष पेज 13 पर

जागरूकता उद्देश्य

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. वीआर भगत के मुताबिक योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। इसके लिए चिन्हित जिलों के स्कूलों के शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

यह जिले चिन्हित

इस योजना को संचालित करने के लिए महासमुंद, बस्तर, सुकमा, नारायणपुर, राजनांदगांव, खैरागढ़, मोहला मानपुर, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, कांकेर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव को चिन्हित किया गया है। योजना में बलरामपुर, दुर्ग, जशपुर, कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

हरिभूमि
पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

झीरम के शहीदों को आज श्रद्धांजलि

रायपुर। अब से 11 साल पहले झीरम घाटी के नक्सली हमले में शहीद कांग्रेस नेता नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार एवं अन्य नेताओं को 25 मई को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शंकर नगर में श्रद्धांजलि दी जाएगी। सुबह 11 बजे होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज शामिल होंगे।
उल्लेखनीय है कि झीरम हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल भी शहीद हुए थे, उनकी पुण्यतिथि 11 जून को मनाई जाती है।

राप्रसे अफसरों को सीआर के लिए निर्देश जारी

रायपुर। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को उनके गोपनीय प्रतिवेदन (सीआर) ऑनलाइन प्रस्तुत करने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसके लिए समय सीमा भी तय की गई है। बताया गया है कि राप्रसे अधिकारियों को वर्ष 2023-24 के लिए सीआर लिखने के लिए स्व मूल्यांकन प्रतिवेदन 30 मई तक प्रस्तुत करना है।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन का मतांकन 15 जून तक, समीक्षक अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन का मतांकन 31 जून तक, स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा गोपनीय प्रतिवेदनका मतांकन 15 जुलाई तक करना होगा। वर्ष 2024 का गोपनीय प्रतिवेदन संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन भेजा गया है।

बी-लिब का परीक्षा परिणाम घोषित

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा बी-लिब का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा में कुल 27 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिसमें 22 छात्रों को उत्तीर्ण घोषित किया गया और पांच सफल नहीं हो पाए। रविवि के मुताबिक फेल हुए छात्रों को पुनर्मूल्याकंन एवं पुनर्गणना के लिए ऑनलाइन आवेदन करने पंद्रह दिन का वक्त दिया गया है।

नारद जन्मोत्सव पर मनाया पत्रकार वंदन दिवस

रायपुर। आद्य पत्रकार देवर्षि नारद के जन्मोत्सव पर सर्व ब्राह्मण समाज ने पत्रकार वंदन दिवस के रूप में मनाया। समाज कार्यालय छत्तीसगढ़ सदन कैलाशपुरी में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार राजेश मिश्रा , स्वप्निल तिवारी पिथौरा, श्याम किशोर शर्मा राजिम, रोशन स्वास्थ्य देवभोग, विक्रांत शर्मा धमतरी, नंदलाल मिश्रा बसना को कलमवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा सांस्कृतिक मंच प्रदेश अध्यक्ष जेपी शर्मा सहित पदाधिकारी नीरज शर्मा, अशोक मिश्रा, सुमित शर्मा, अजय जोशी, मनीष मिश्रा व पदाधिकारियो ने भगवान परशुराम गमछा, स्मृति चिन्ह व प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मानित किया। संचालन प्रीति दीक्षित तथा आभार धनंजय शर्मा ने किया।

मजदूरों का किया सम्मान योजनाओं की दी जानकारी

रायपुर। मजदूर सेवा समिति द्वारा मजदूरों के सम्मान में वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मजदूरों के हितों, सुरक्षा, भविष्य के संबंध में चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष अजय चकोले ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मजदूरों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान सुशील विश्वकर्मा, फरीद कुरैशी, चंदू तांडी आदि शामिल हुए।

कैरियर काउंसिलिंग 'छू लो आसमान' सेमिनार 26 को

रायपुर। पढ़ाई के दौरान अपना कैरियर तय करने के लिए विद्यार्थियों को सही राह दिखाने काउंसिलिंग दी जाएगी। बढ़ते कदम संस्था द्वारा 26 मई रविवार को इसके लिए छू लो आसमान सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता सुंदर बजाज एवं यथार्थ गुरुबक्षाणी ने बताया कि शाम 5 बजे से शहीद स्मारक भवन में कैरियर गाइडेंस के एक्सपर्ट्स एवं मोटिवेशनर फ़ाजिल सर प्रमुख वक्ता होंगे।

सरकारी कर्मियों के पेंशन के हजार प्रकरण लंबित, डायरेक्टर की नियुक्ति के बाद होने लगा निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शुक्रवार को समीक्षा में सौ प्रकरणों का निपटारा

छत्तीसगढ़ में अब से करीब तीन माह पहले तक सरकारी कर्मियों के पेंशन के एक हजार प्रकरण लंबित थे, जीवन भर सरकारी सेवा करने के बाद ये लोग अपने हक की पेंशन पाने के लिए भटक रहे थे। इसी बीच सरकार ने पेंशन के प्रकरणों के जल्द निपटारे के लिए अलग से एक डायरेक्टर की नियुक्ति की। इसके बाद प्रदेश में ढाई महीनों में करीब साढ़े तीन सौ प्रकरणों का निपटारा हो गया है। संबंधित कर्मियों को अब हर महीने पेंशन शुरु हो जाएगी। राज्य के लंबित पेंशन प्रकरणों के निपटारे के लिए संचालक कोष,लेखा एवं पेंशन महादेव कावरे ने एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि समीक्षा के बाद करीब सौ प्रकरणों का निपटारा हो गया है। राज्य में करीब तीन माह से पेंशन संबंधी एक हजार प्रकरण लंबित थे। इन प्रकरणों के तेजी से निपटारे के लिए राज्य सरकार ने संचालक की नियुक्ति की है। यह

दायित्व महादेव कावरे को दिया गया है। उन्होंने मामलों के निराकरण केलिए दो महीना पहले समीक्षा का काम शुरू किया था। शुक्रवार को हुई समीक्षा से पहले दो माह के भी तक 250 प्रकरणों में पेंशनरों को पेंशन मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

साल में 9-10 हजार प्रकरण बनते हैं पेंशन के : छत्तीसगढ़ में एक साल में करीब 9 से 10 हजार शासकीय सेवक रिटायर होते हैं। इसके साथ ही इन लोगों के पेंशन प्रकरण बनते हैं। जिन प्रकरणों में कोई आपत्ति नहीं होती है उनसे संबंधित कर्मियों की पेंशन मंजूर हो जाती है। लेकिन जिन कर्मियों के प्रकरणों में आपत्तिया होती हैं, उनका निराकरण कराए बिना पेंशन शुरु नहीं हो पाती है। सेवानिवृत्त शासकीय कर्मियों के लिए यह सबसे कठिनाई का मामला होता है। बताया गया है कि सरकार के सभी विभागों में पेंशन संबंधी मामलों के लिए नोडल अधिकारी भी बनाए गए हैं।

कई तरह की होती हैं आपत्तियां

सरकारी सेवकों के रिटायरमेंट के बाद पेंशन का आदेश जारी होने के बाद संबंधित कर्मियों के प्रकरणों में कई आपत्तियां भी सामने आती हैं। इनमें मुख्य तौर पर विभागीय जांच लंबित होना, कर्मियों से बकाया वसूली की राशि तथा वेतन निर्धारण आदि शामिल है। बताया गया है कि राज्य में पेंशन के सबसे अधिक लंबित मामले शिक्षा विभाग के हैं। इनके अलावा जलसंसाधन, लोक निर्माण जैसे विभागों के हैं।

विस चुनाव के बाद स्ट्रांगरूम की निगरानी में भाजपा-कांग्रेस ने झोंकी थी ताकत

लोकसभा चुनाव में केवल औपचारिकता प्रत्याशियों के समर्थक कर रहे निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा चुनाव के बाद इस बार प्रदेश भर के स्ट्रांग रूम का नजारा अलग ही दिखा था। कांग्रेस के साथ भाजपा ने भी अपने कार्यकर्ताओं को निगरानी में झोंक दिया था। स्ट्रांग रूम के सामने तंबू लगाकर 24 घंटे निगरानी की गई, लेकिन अब जहां तक लोकसभा चुनाव का सवाल है, तो प्रदेश में मतदान के बाद नतीजों को लेकर करीब एक माह का लंबा अंतराल है।

ऐसे में कांग्रेस के प्रत्याशियों ने तो स्ट्रांगरूम में निगरानी के लिए अपने कार्यकर्ता तैनात कर दिए हैं, लेकिन जहां तक भाजपा का सवाल है, तो भाजपा ने किसी भी स्ट्रांगरूम में निगरानी का कोई इंतजाम नहीं किया है। कांग्रेस के कार्यकर्ता लगे जरूर हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव की तरह कहीं भी गंभीरता नहीं है। प्रदेश में इस

बार बीते साल विधानसभा के चुनाव में मतदान के बाद स्ट्रांग रूम की निगरानी में सत्ताधारी कांग्रेस के साथ भाजपा ने भी अपने कार्यकर्ताओं को इस तरह से तैनात किया था कि एक मिनट भी स्ट्रांग रूम से नजर न हटे। इसके लिए बकायदा स्ट्रांग रूम के सामने तंबू लगाकर रात-रात भर भी निगरानी की गई। जानकारों की मानें तो सत्ताधारी कांग्रेस को भी इस बात का डर था कि कहीं कोई गड़बड़ी न करे दें। ऐसा ही डर भाजपा को भी था कि कहीं सत्ताधारी कांग्रेस कुछ गड़बड़ न करवा दे। ऐसे में कोई भी पार्टी रिस्क नहीं लेना चाह रही थी।

कांग्रेस प्रत्याशी करा रहे निगरानी

लोकसभा चुनाव में अपने प्रदेश में तीन चरणों में चुनाव के बाद अंतिम मतदान सात मई को हुआ है। जहां तक मतगणना का सवाल है तो वह 4 जून को होनी है। ऐसे में बहुत लंबा समय है। ऐसे में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी लोकसभाओं के स्ट्रांग रूम की निगरानी कराने का फैसला किया और सभी प्रत्याशियों को निगरानी कराने के लिए कहा। सभी प्रत्याशी अपने स्तर पर अपने समर्थकों से निगरानी कराने का काम कर रहे हैं। रायपुर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने बताया उन्होंने 24 घंटे निगरानी के लिए अपने लोगों को रखा है। उनका कहना है विधानसभा की तरह वहां पर कोई तंबू तो लगाने का काम नहीं किया गया है, लेकिन कारों में बैठकर लोग निगरानी कर रहे हैं। अन्य लोकसभा में भी प्रत्याशियों के समर्थक स्ट्रांग रूम पर नजर रखे हुए हैं लेकिन वैसी गंभीरता कहीं नजर नहीं आ रही है जैसी विधानसभा के समय थी।

भूपेश बोले- एक भी रोहिंग्या मुसलमान को ढूंढ कर बताएं

विजय शर्मा ने कहा- गांवों में घुसपैठ करने वाले कौन हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश सरकार को चुनौती देते हुए कहा, सरकार प्रदेश में एक भी रोहिंग्या मुसलमान को ढूंढ कर दिखा दें। इस पर प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने

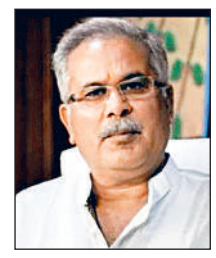

पलटवार करते हुए कहा है, गांव-गांव में आकर घुसपैठ करने वाले कौन हैं।

दिल्ली रवाना होने से पहले श्री बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, भाजपा रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी चर्चा करती थी, भाजपा के लोग कहते थे रोहिंग्या मुसलमान कवर्धा, सरगुजा, रायपुर दक्षिण में हैं।

अब भाजपा सरकार में है, तो मैं सरकार को चुनौती देता हूं कि प्रदेश में भी रोहिंग्या मुसलमान बता दे कि कहां है। झीरम को लेकर विजय शर्मा के बयान पर श्री बघेल ने तीखा पलटवार करते हुए कहा, विजय शर्मा कहते हैं भूपेश बघेल के जेब से सबूत निकालेंगे। कैसे किसी के गिरेबान में हाथ डाल सकते हैं। विजय शर्मा को अपने जिले को सबसे पहले संभालना चाहिए। सड़क दुर्घटना हुई तो तीन घंटे गांव के अस्पताल में बिजली नहीं थी। अस्पताल में एक डॉक्टर ही था, स्टॉफ तक नहीं था। सबसे ज्यादा घटनाएं तो कवर्धा जिले में घट रही हैं। श्री बघेल ने कहा, केंद्र में हमारी सरकार बनने जा रही है, एनआईए सही दिशा में जांच करेगी। भाजपा सरकार ने हमेशा झीरम की जांच को रोकने का प्रयास किया। तत्कालीन लोगों की भूमिका थी, इसलिए जांच नहीं होने दी। हमने कई बार एनआईए से झीरम की जांच के लिए फाइल सौंपने कहा, लेकिन नहीं सौंपी गई। गृहमंत्री के सामने भी मुद्दे को उठाया पर भाजपा ने जांच नहीं होने दी।

घुसपैठ ही गलत है : विजय शर्मा

इधर रोहिंग्या मुसलमानों पर प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, गांव-गांव में आकर जो घुसपैठ कर रहे हैं, वह कौन हैं। उन्होंने कहा, मुसलमान ही नहीं हर कोई जो घुसपैठ कर रहा है, वह गलत है, इस तरह की परिस्थितियों को बदलने की कवायद गलत है। इससे स्थानीय लोगों को पीड़ा होती है।

शुक्ला बोले- भाजपा डरती है झीरम का सच सामने आने पर वह बेनकाब हो जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, झीरम घाटी कांड एक ऐसा कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी। इसके गुनाहगारों को सजा जरूर मिलनी चाहिए। भाजपा डरती है, झीरम का सच सामने आ जाएगा तो वह बेनकाब हो जाएगी।

श्री शुक्ला ने कहा, डॉ. रमन सिंह से बड़ा क्रूर शासक आजाद भारत में आज तक नहीं हुआ। एक साथ विपक्ष के 32 नेताओं की हत्या हो गई और तत्कालीन सरकार ने सच सामने आने देने से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता झीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें करते रहे, उसमें साफ है झीरम के पीछे तत्कालीन भाजपा सरकार की भूमिका संदिग्ध थी। श्री शुक्ला ने कहा, कांग्रेस की

सरकार बनने के बाद कांग्रेस सरकार ने झीरम हमले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने एनआईए से झीरम की फाइल एसआईटी को नहीं देने दी। जैसे ही झीरम घाटी कांड की जांच की बात आती है, पता नहीं क्यों भाजपा के बड़े-बड़े नेता घबराने लगते हैं, किसी न किसी प्रकार से वे इसकी जांच को बाधित करने में जुट जाते हैं, कभी बयानबाजी करते हैं, कभी कोर्ट की शरण में जाते हैं, पीआईएल दायर करते हैं। किसी भी प्रकार से भाजपा झीरम घाटी की जांच को होने ही नहीं देना चाहती है।

संविदा नियुक्ति की अवधि बढ़ाने के लिए वित्त और सामान्य प्रशासन की मंजूरी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में विभिन्न विभागों में संविदा पर नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा अवधि बढ़ाने के लिए अब सरकार के वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति लेना जरूरी होगा। दरअसल सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि कई विभागों में संविदा नियुक्ति प्रदान करने और संविदा की अवधि बढ़ाने के पहले वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति नहीं ली जा रही है। इस मामले को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव ने इस संबंध में शासन के सभी विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, सभी संभागीय आयुक्त, सभी विभागाध्यक्ष सभी जिलाध्यक्ष(कलेक्टर) को आदेश जारी किया है। इस आदेश में बताया गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्त) नियम 2012 का राजपत्र में प्रकाशन होने के बाद समय समय पर इसमें संशोधन किए गए हैं। संविदा नियुक्ति के प्रकरणों के समुचित परीक्षण और निराकरण के लिए संविदा नियुक्ति नियम 2012 में 30 अप्रैल 2024 तक की स्थिति में हुए सभी संशोधनों को शामिल करते हुए एक अपडेटेड संकलन कार्यालयीन उपयोग के लिए तैयार किया गया है।

ऐसे भी हो सकेगी संविदा नियुक्ति

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 4(4) के हवाले से कहा गया है कि वित्त विभाग की सहमति के उपरांत सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से अपवादात्मक विशिष्ट प्रकरणों में गैर शासकीय व्यक्ति विशेष अथवा सेवा निवृत शासकीय सेवकों की विशेषज्ञता, अनुभव, विशिष्ट योग्यता तथा पद के लिए उसकी उपयुक्तता के आधार पर संविदा नियुक्त द्वारा भरा जाएगा तथा विभागीय आवश्यकता के आधार पर एवं संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आकलन कर वित्त विभाग की सहमति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से संविदा नियुक्ति की अवधि में वृद्धि की जा सकेगी।

नियमों को किया गया स्पष्ट

सामान्य प्रशासन विभाग ने जब देखा कि कतिपय विभागों द्वारा संविदा नियुक्ति प्रदान करने तथा संविदा की अवधि बढ़ाने के पहले वित्त एवं सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति नहीं ली जा रहा है तो विभाग ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा(संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के नियम 4, 5, व 11 के प्रावधानों के संबंध में स्थिति स्पष्ट की है। इसमें कहा गया है कि नियम 4 (2) में विहित पदों पर वित्त विभागी की सहमति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की संविदा नियुक्ति द्वारा उक्त पद भरा जाएगा तथा विभागीय आवश्यकता के आधार पर, संविदा नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आकलन कर वित्त विभाग की सहमति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से संविदा नियुक्ति की अवधि अब एक बार में एक वर्ष के लिए वृद्धि की जा सकेगी।

पॉवर कंपनी की 10 हजार मेगावाट उत्पादन के लिए नए संयंत्र लगाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी प्रदेश में 10 हजार मेगावाट बिजली के उत्पादन के लिए नए संयंत्र लगाने की तैयारी में हैं। इसको लेकर कंपनीज के अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा सचिव पी. दयानंद ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से जानकारी ली है। इसी के साथ बैठक में कंपनी के कामकाज, प्रचलित और भावी परियोजनाओं की समीक्षा की। एमडी जनरेशन एसके कटियार द्वारा बैठक में पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारियां दी गई। वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों को अध्यक्ष ने सराहनीय बताया तथा इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए समुचित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा, हमारे ताप बिजली घरों का देश के स्टेट सेक्टर यूटिलिटीज में अव्वल आना गौरव का विषय है। वर्ष 2023-2024 में अनाकेंक्षित आंकड़ों के अनुसार 800 करोड़ रुपए से अधिक आय की संभावना पर श्री दयानंद ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने 660 मेगावाट के दो सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत विस्तार परियोजना कोरबा पश्चिम, 660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत विस्तार परियोजना मड़वा की प्रगति की समीक्षा की। कोरबा पूर्व में 440 मेगावाट की बंद परियोजनाओं की भूमि पर नए बिजली घर लगाने की संभावनाओं पर विचार विमर्श कर निर्देश दिए। श्री दयानंद ने पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं से लगभग 6000 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वृद्धि के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। सोलर पीबी आधारित लगभग 1000 मेगावाट विद्युत उत्पादन की संभावनाओं पर भी कार्य आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

सीधी भर्ती वालों को तीन साल प्रमोशन नहीं इसलिए अन्य पद भी खाली

पीजी डाक्टरों की स्वास्थ्य केंद्रों में पोस्टिंग, कालेजों में एसआर का टोटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शासकीय मेडिकल कालेजों में फैकल्टी की कमी के मामले में एनएमएसी के सख्त रुख के बाद विचार-मंथन का दौर शुरू हो गया है। तर्क दिया जा रहा है कि पीजी की पढ़ाई पूरी करने वाले डाक्टरों को स्वास्थ्य केंद्रों में पोस्टिंग दी जाती है और कालेजों में सीनियर रेजिडेंट डाक्टरों की कमी रह जाती है। शासन स्तर पर जिनकी सीधी भर्ती की जाती है, उन्हें तीन साल तक प्रमोशन नहीं दिया जाता और कालेजों में सीटें लाने अहम भूमिका निभाने वाले एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद खाली रह जाते हैं।

नेशनल मेडिकल कमीशन की ओर से विभिन्न कमियों का हवाला देकर तीन कालेजों पर बड़ा जुर्माना लगाया गया है। इस मामले पर चिकित्सा शिक्षा संचालनालय स्तर पर विचार-विमर्श का दौर चल रहा है। सबसे बड़ा मुद्दा फैकल्टी का है जो लगभग सभी कालेजों में काफी कम है। इस मामले में कहा जा रहा है कि पीजी की पढ़ाई पूरी करने वाले डाक्टरों को स्वास्थ्य केंद्रों के बजाए मेडिकल कालेज में सीनियर रेजिडेंट के रुप में पदस्थ किया जाना चाहिए। इससे एसआर की जो कमी बताई जा रही है वह पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। अन्य राज्यों को पीजी डाक्टरों को मेडिकल कालेजों में नियुक्ति दी जाती है, मगर छत्तीगढ़ में बांडेड सेवा के तहत उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ कर दिया जाता है। मेडिकल कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की समय-समय पर भर्ती की जाती है, मगर नियम के मुताबिक उन्हें तीन साल तक प्रमोट नहीं किया जाता है, जिसकी वजह से ऊपर के पद खाली रह जाते हैं।

फैकल्टी की कमी पर एनएमसी के सख्त रुख के बाद विचार मंथन शुरू

आचार संहिता के बाद भर्ती

फैकल्टी की कमी को दूर करने के लिए समय-समय पर संविदा भर्ती की जाती है। आचार संहिता की वजह से यह नहीं हो पाया है। शासन स्तर पर भी असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती आचार संहिता शिथिल होने के बाद की जाएगी। एनएमसी ने जुर्माना लगाया है, आशा है कि किसी शासकीय कालेज में सीटें लैप्स नहीं होंगी।
- डॉ. यूएस पैंकरा
डीएमई

स्वास्थ केंद्रों में चिकित्सा अधिकारी

सूत्रों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्रों में प्राथमिक स्तर के इलाज चिकित्सा अधिकारियों द्वारा संभाला जा सकता है मगर राज्य में विशेषज्ञों को ड्युटी भी वहां लगाई जाती है। यूडीएफए सहित विभिन्न संगठनों द्वारा चिकित्सा विशेषज्ञों को शासकीय मेडिकल कालेजों में पोस्टिंग देने की मांग काफी समय से की जाती रही है। यह भी तर्क दिया गया कि सीधी भर्ती वाले चिकित्सों को आवश्यक होने पर सालभर में प्रमोट किया जाए।

एनएमसी को भेजी जानकारी

एनएमसी सेल के डॉ. अरविंद नेरल ने बताया कि शासकीय जेएन मेडिकल कालेज रायपुर की ओर से एनएमसी को आपत्तिवार जानकारी प्रेषित की गई है। फैकल्टी के मामले में उन्हें चिकित्सा शिक्षकों के मोबाइल नंबर, ब्लड बैंक का लाइसेंस, अस्पताल में हुए प्रसव तथा अन्य ओपीडी की जानकारी भेजी गई है। दावा किया जा रहा है कि इन दस्तावेजों के आधार पर एमबीबीएस की सभी सीटों पर प्रवेश की अनुमति दे दी जाएगी। जुर्माना वापसी एनएमसी अधिकारियों पर निर्भर करता है कि वे जवाब से कितने संतुष्ट होते हैं।

रामू रोहरा बोले- नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तेज होने से कांग्रेस में भारी निराशा

रायपुर । भाजपा के प्रदेश महामंत्री रामू जगदीश रोहरा ने नक्सलवाद के खिलाफ विष्णुदेव साय की सरकार की निर्णायक लड़ाई को स्वागत योग्य बताते हुए कहा, इस लड़ाई से कांग्रेस में बेहद निराशा का माहौल है। श्री रोहरा ने कहा, कभी कांग्रेस उन नक्सलियों के मारे जाने के सबूत मांगती है जिनके मरने की पुष्टि खुद नक्सली नेता कर चुके होते हैं और जब भाजपा की साय सरकार पुनर्वास की नीति के लिए नक्सलियों से सुझाव मांगती है, तो भी कांग्रेस उस पर सवाल खड़े करती है। श्री रोहरा ने कहा, ना तो कांग्रेस पुलिस बलों द्वारा नक्सलियों के मारे जाने को स्वागत योग्य बता रही है ना ही पुनर्वास नीति के लिए नक्सलियों के सुझाव लेने की प्रशंसा कर रही है यानी कुल मिलाकर वह छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या के खात्मे में को लेकर उठाए जा रहे किसी भी कदम से नाखुश है निराश है। कांग्रेस नक्सलवाद पर केवल राजनीति करती आई है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तो इसके कीर्तिमान बनाए हैं उन्होंने कांग्रेस के नेताओं के मारे जाने की घटना के सबूत जेब में होने की बात सार्वजनिक रूप से कही थी, लेकिन आज तक उन्होंने ऐसा कोई सबूत प्रस्तुत नहीं किया। पांच साल की भूपेश बघेल की सरकार ने कांग्रेस सरकार ने नक्सलियों के संरक्षण का काम किया,नक्सली यह कहने लगे थे कि अब कांग्रेस की सरकार यानी हमारी सरकार है लेकिन जब अब भाजपा की लड़ाई निर्णायक रूप से नक्सलवाद के खिलाफ हो रही है तो कांग्रेस में उदासी छाई है।

निधन

शील सिंह माखीजा

रायपुर। देवेंद्र नगर रायपुर निवासी शील सिंह माखीजा का 24 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 मई को सुबह 10 बजे देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे राजपाल माखीजा के भाई, कीर्ति सिंह माखीजा एवं सुमीत सिंह माखीजा के पिता थे।

राजेश नशीने

रायपुर। मठपुरैना गोपाल चौक निवासी राजेश नशीने (52) का 24 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 मई को सुबह 10 बजे निवास से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे विनीता नशीने के पति और अभय व अंकुर के पिता थे।

जेठमल कोटडिया

रायपुर। हनुमान नगर कालीबाड़ी निवासी जेठमल कोटडिया का 24 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 मई को सुबह 9.30 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे पन्नालाल, प्रकाश चंद, नथमल के भाई और दीपचंद, भूरमल के पिता तथा वरुण कोटडिया के दादाजी थे।

बसंत लाल वाधवानी

रायपुर। साम्राज्य रेसीडेंसी खमतराई निवासी बसंत लाल वाधवानी का 24 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 मई को दोपहर 1 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे सुरेश वाधवानी के भाई, राकेश वाधवानी के पिता एवं ऋषि, प्रेम वाधवानी के दादाजी थे।

मालवीय रोड-जवाहर बाजार बनेगा खूबसूरत, व्यापारियों के सुझाव पर स्मार्ट सिटी कर रहा प्लानिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर के मालवीय रोड और जवाहर बाजार को राजधानी के मुख्य मार्केट के अनुरूप खूबसूरत बनाने की प्लानिंग शुरू हो गई है। स्मार्ट सिटी ने मालवीय रोड और जवाहर बाजार को खूबसूरत बनाने के लिए व्यापारियों से सुझाव मांगे थे। इस पर व्यापारियों ने मालवीय रोड का सौंदर्यीकरण करते हुए सड़क के दोनों तरफ फुटपाथ पर पाथवे, नालियों की सफाई के लिए चैंबर, हाई स्ट्रीट मास्क लाइट, जवाहर बाजार में फौवारा, स्मार्ट शौचालय का निर्माण, पुराने नगर निगम मुख्यालय की भूमि पर पार्किंग सहित अन्य कई कार्य व सौंदर्यीकरण कराने के सुझाव दिए हैं। व्यापारियों के दिए सुझावों में कई सुझाव स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को भी पसंद आए हैं, जिसके बाद इन सुझावों को आगामी प्लानिंग में शामिल किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

शहर के हृदय स्थल पर बसा मालवीय रोड शहर का सबसे पुराना मुख्य बाजार भी है। इस बाजार के दोनों तरफ 7 बाजार भी हैं। इनमें गोलबाजार, बंजारी रोड, गणेशराम नगर, चूड़ी लाइन, हलवाई बाजार, सदरबाजार, शास्त्री बाजार शामिल हैं। इसके कारण मालवीय रोड और खास हो जाता है, क्योंकि इन बाजार में जाने के लिए लोगों को मालवीय होकर ही आना-जाना करते हैं। स्मार्ट सिटी मालवीय रोड सहित आसपास के पूरे इलाके में विद्युत खंबों को हटाकर डिवाइडर के बीच में पोल लगाकर लाइट लगाने का काम कराया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी को हाई स्ट्रीट मास्क लाइट, सड़क के दोनों तरफ पाथवे, फौवारा, पार्किंग सहित कई सुझाव मिले

गोलबाजार थाने के सामने डिवाइडर बड़ा करने का सुझाव

मालवीय रोड व्यापारी संघ के अध्यक्ष तरल मोदी और महामंत्री राजेश वासवानी ने बताया कि मालवीय रोड को खूबसूरत बनाने के लिए संघ के लोगों ने कई सुझाव दिए हैं। इनमें प्रमुख रूप से रोड के दोनों तरफ फुटपाथ पर टाइल्स पाथवे बनाना, नालियों की सफाई के लिए चैंबर लगाना, चिकनी मंदिर एवं गोल बाजार पुलिस थाने के सामने हाई स्ट्रीट लाइट मास्क लगाना, गोल बाजार पुलिस थाने के सामने डिवाइडर को बड़ा करना, जिससे गाड़ी मोड़ने में ट्रैफिक जाम ना हो, जवाहर बाजार के पास स्थित सुलभ शौचालय का सौंदर्यीकरण पीछे स्थित खाली भूखंड पर उसे और बड़ा बनाकर सुंदर बनाना, जवाहर बाजार के मुख्य द्वार पर वॉटरफॉल एवं दोनों तरफ दीवार के सामने मिनी गार्डन बनाना, जवाहर बाजार के अंदर में सेल्फी प्वाइंट बनाना, मुख्य डाकघर की दीवार पर आकर्षक पेंटिंग, उसके सामने नगर निगम की खाली पड़ी जमीन पर गार्डन या पार्किंग बनाया जा सकता है। चिकनी मंदिर को छोटा कर उसे खूबसूरत बनाया जा सकता है।

कई सुझाव अच्छे हैं, जिन्हें प्लानिंग में शामिल करेंगे

व्यापारियों के कई सुझाव अच्छे हैं, जिन्हें प्लानिंग में शामिल करेंगे। वो जगह हाई स्ट्रीट मास्क लाइट, फौवारा, शौचालय को बड़ा कर सौंदर्यीकरण किया जा सकता है।

- पंकज कुमार पंचायती
जनरल मैनेजर
स्मार्ट सिटी रायपुर

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सौ से ज्यादा अकाउंट जब्त किया

कर्जदारों की आईडी से महादेव एप के लिए बैंक में अकाउंट, एक करोड़ का ट्रांजेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजेंद्र नगर थाने की पुलिस ने उधार देकर कर्जदारों की आईडी से महादेव सट्टा एप के लिए बैंक अकाउंट खुलवाने के आरोप में एक व्यक्ति तथा उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 107 बैंक पासबुक जब्त की है। साथ ही प्रारंभिक जांच में पुलिस को जब्त पास बुक में एक करोड़ रुपए से ज्यादा लेन-देन होने की जानकारी मिली है।

पुलिस के मुताबिक कर्जदारों की आईडी से महादेव सट्टा एप के लिए बैंक में अकाउंट खुलवाने के आरोप में देवपुरी निवासी निखिल आहूजा, अमलीडीह निवासी संजय जसवानी तथा पंडरी निवासी सुनील कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शत्रुहन लाल जायसवाल की शिकायत पर निखिल को गिरफ्तार किया है। शत्रुहन ने पुलिस को बताया है कि उसने निखिल से जरूरत पड़ने पर एक दो बार उधार में रकम ली थी और समय पर पैसे वापस कर दिए थे। शत्रुहन ने पुलिस को बताया है कि एक बार फिर से पैसों की जरूरत पड़ने पर उसने निखिल से पांच हजार रुपए मांगे थे। इस पर निखिल ने शत्रुहन से उसका पैन कार्ड के साथ आधार कार्ड की कॉपी लेने के साथ बैंक के दस्तावेज में हस्ताक्षर कराकर अपने पास रख लिया।

जानकारी मिलने पर पुलिस में की शिकायत

शत्रुहन ने पुलिस को बताया है कि शुक्रवार को उसे अपने नाम से बैंक में अकाउंट खोले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद शत्रुहन ने इस संबंध में जानकारी जुटाई तब उसे पता चला कि निखिल ने उसकी व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग करते हुए बैंक में अकाउंट खुलवाया है, जिसका महादेव सट्टा एप के लिए रकम ट्रांसफर करने इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद शत्रुहन ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

अकाउंट खुलवाने दिल्ली से अज्ञात कॉल

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी संजय ने पुलिस को बताया कि छह माह पूर्व उसके पास दिल्ली से अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने संजय को महादेव सट्टा एप के लिए अकाउंट उपलब्ध कराने 16 हजार रुपए देने का लालच दिया। इसके बाद संजयने अपने साथी निखिल तथा सुनील को अपने साथ शामिल कर लिया और जरूरतमंद लोगों की मदद कर उनकी आईडी अपने कब्जे में लेकर बैंक में अकाउंट खुलवाने लगे।

मिलते थे 16 हजार

पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया है कि महादेव सट्टा एप संचालित करने वाले उन्हें प्रति अकाउंट 16 हजार रुपए देते थे। पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया है कि वो जिन लोगों के नाम से अकाउंट खुलवाते थे, उसे एकत्रित करने के बाद ट्रेन के माध्यम से नागपुर तथा दिल्ली भेज देते थे। अकाउंट के साथ एटीएम तथा चेकबुक भेजने का काम संजय तथा उसके साथी करते थे। संजय अकाउंट के बदले निखिल तथा सुनील को 10 हजार रुपए देता था।

नगर निगम उड़नदस्ता टीम ने लाखेनगर व संतोषीनगर में चलाया अभियान

आवागमन में बाधा बनने वाले अवैध ठेला-गुमटी व विज्ञापन बोर्ड हटाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर की सड़कों पर आवागमन में बाधा का कारण बनने वाले अवैध ठेला-गुमटी व विज्ञापन बोर्ड को हटाने की कार्रवाई नगर निगम प्रशासन लगातार कर रहा है। इस कड़ी में शुक्रवार को निगम की उड़नदस्ता टीम ने लाखेनगर और संतोषी नगर क्षेत्र में अभियान चलाकर दर्जनभर ठेला-गुमटी और विज्ञापन बोर्ड को हटाने की कार्रवाई की।

निगम मुख्यालय के उड़नदस्ता की टीम एवं जोन 6 की टीम ने संयुक्त रूप से संतोषीनगर से बोरिया मार्ग तक सड़क को अवैध कब्जा से मुक्त कराने अभियान चलाया। जोन अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान टीम ने सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से लगे करीब 8 ठेला-गुमटी को हटाया, वहीं दुकानों के बाहर लगे करीब आधा दर्ज विज्ञापन बोर्ड को भी हटवाया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध ठेला-गुमटी व विज्ञापन बोर्ड के कारण इस मार्ग पर हर दिन सुबह 10 से 12 बजे और शाम में 5 से 8 बजे के दौरान जाम लगता था, जिसके कारण लोगों को परेशानी होती थी। इन्हें हटाए जाने के बाद अब सड़क पर आवागमन सुचारू रूप से होगा।

लाखेनगर चौक से रायपुरा मार्ग में भी चलाया गया अभियान

उड़नदस्ता टीम ने जोन-5 क्षेत्र की टीम के साथ मिलकर लाखेनगर चौक से रायपुरा मुख्य मार्ग तक भी अवैध ठेला-गुमटी व विज्ञापन बोर्ड हटाने का अभियान चलाया। इस मार्ग के दोनों ओर भी कुछ लोग ठेला-गुमटी और विज्ञापन बोर्ड लगाए थे, जिसे हटाने की कार्रवाई करते हुए मार्ग को आवागमन के लिए सुगम बनाया।

पेज 11 के शेष

आज़ाद हिन्द ने...

इस वजह से अब ट्रेन की समय सारणी पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। एक ट्रेन के विलंब होने से दूसरी रैक भी प्रभावित हो चुकी है। ट्रेन का रनिंग स्टेटस चेक करने पर एक दिन पुरानी तारीख में दिखाया जा रहा है, जिससे यात्रियों को समझ नहीं आ रहा है कि ट्रेन किस तारीख को पहुंचेगी।

5 घंटे की यात्रा में 30 घंटे का इंतजार नहीं कर सकते -हरिभूमि ने उन यात्रियों से बातचीत की, जिन्होंने 23 मई को सफर करने आजाद हिंद में रिजर्वेशन कराया था, जिसके बाद ट्रेन के विलंब होने पर टिकट रद्द किया। 23 मई को रायपुर से नागपुर जाने के लिए शहर के निशांत परमार ने टिकट बुक करवाया था, लेकिन जब पता चला, ट्रेन पूरे एक दिन लेट है, तो टिकट रद्द किया। उनका कहना है कि 5 घंटे के सफर के लिए कोई भी यात्री 24 घंटे का इंतजार नहीं कर सकता। इसी तरह बिलासपुर से गोंदिया के शंकर तिवारी को सफर करना था, लेकिन विलंब होने से दूसरी ट्रेन का टिकट बुक कराना पड़ा। उन्होंने बताया कि आजाद हिंद में सफर करना अपना समय खराब करना है। यह ट्रेन हर दिन लेट हो रही है।

खुले में रखे जा रहे...

समय से आंबेडकर अस्पताल से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को नष्टीकरण के लिए संबंधित एजेंसी को सौंपने के बीच खुले में रखने की वजह से आम लोगों को परेशानी हो रही है। मरचुरी के पिछले हिस्से में इस तरह के कचरे से बंधी काली पन्नियों के रोजाना ढेर लग रहे हैं। उक्त स्थान से आम लोगों के साथ पीजी चिकित्सकों की आवाजाही भी होती है, जो कचरे से उठने वाली बदबू से काफी परेशान रहते हैं। चिकित्सा छात्रों द्वारा इस मामले की शिकायत कालेज प्रबंधन से कई बार की जा चुकी है, मगर अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

एसयूवी का इंतजार...

तक की कम बजट वाली कारें वो जरूर ऑन डिमांड मिल रही हैं। आजकल जो भी कारें बन रही हैं, वे सब बीएस-6 बन रही हैं। इसमें हाईटेक फीचर रहते हैं। इनके लिए सेमीकंडक्टर जरूरी होता है।सेमीकंडक्टर का मतलब अर्धचालक होता है और इसका इस्तेमाल करंट को नियंत्रित करने में किया जाता है। मौजूदा समय में जितनी भी कारें बाजार में आ रही हैं, उन सभी में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल किया जाता है। इनके बगैर मौजूदा कारों की कल्पना करना बेकार है, क्योंकि ये न हों तो कार में हाईटेक फीचर्स का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कारों को चलता-फिरता कंप्यूटर बनाने में सेमीकंडक्टर की अहम भूमिका है। इसकी कमी के चलते ही पिछले दो-तीन साल से कारों की सप्लाई प्रभावित रही है, लेकिन अब सप्लाई तो सामान्य हो गई है, डिमांड ज्यादा हो गई है।

इन मॉडल्स में वेटिंग

टोयोटा की इनोवा हाईक्रॉस ऐसा मॉडल है, देश के किसी भी राज्य में ऑन डिमांड नहीं मिल रही है। अलग-अलग राज्यों में वहां की डिमांड के हिसाब से इसकी वेटिंग है। जहां तक अपने प्रदेश का सवाल है तो यहां पर अब यह कार आसानी से दो माह के इंतजार के बाद मिल रही है। बीते साल इसी मॉडल में सालभर की वेटिंग थी। इस कार के बाद देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों में शुमार महिंद्रा एंड महिंद्रा की थार जीप का नंबर है। इसकी वेटिंग भी अब कम हो गई है। अब यह भी डेढ़ से दो माह में मिल जा रही है। पहले थार में भी सालभर से ज्यादा की वेटिंग थी। इसी के साथ महिंद्रा की ही एक्सयूवी 700 में डेढ़ से दो माह की वेटिंग है। स्कॉर्पियो, होंडा की क्रेटा कार, निशान की मैग्नाइट, मारुति की बेंजा में भी अब कम वेटिंग है। जहां तक ऑन डिमांड कारों का सवाल है तो मारुति की ऑल्टो 800, वैगनआर सहित रेनेटो, निशान, स्विफ्ट, टाटा की 5 से 8 लाख तक की कारें आसानी से मिल रही हैं।

आंखों की एक्सरसाइज...

अनुसार इस योजना का उद्देश्य स्कूलों बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने की है। ट्रेनिंग पाने वाले शिक्षक स्कूलों में उन्हें मादक पदार्थों से दूर रहने के साथ गंभीर बीमारियों के बचाव के बारे में जानकारी देंगे। इस योजना पर शुरुआती दौर पर काम शुरू हो चुका है पांच जिलों के स्कूलों के एक महिला और एक पुरुष शिक्षकों को इसकी ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। सूत्रों के अनुसार राज्य के 19 जिलों के 94 सौ स्कूलों के शिक्षकों को इस बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रेनिंग के बाद इस योजना की निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस एप भी बनाएगा, जिसकी नियमित मानटरिंग की जाएगी और प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों को स्वास्थ्य का पाठ पढ़ाते हुए उसमें तस्वीर भी अपलोड करना होगा। सूत्रों के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक इस योजना के ब्रांड एंबेसेडर भी कहलाएंगे।

व्यापारियों को जारी नोटिस पर रोक लगाने मिला आश्वासन

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य जीएसटी आयुक्त रजत बंसल से मुलाकात कर राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को विभाग द्वारा दिए गए नोटिस पर स्वतः रोक लगाने प्रदेशभर के व्यापारियों से प्राप्त नोटिस की प्रतिलिपि सहित ज्ञापन सौंपा, जिस पर जीएसटी आयुक्त श्री बंसल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही। चैंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री पारवानी ने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा वर्तमान में जीएसटीआर-1 फॉर्म देर से दाखिल करने पर जुर्माना नोटिस जारी किया गया। विभाग द्वारा अचानक की गई इस कार्यवाही से व्यापारियों में भय का माहौल है, जिसके कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-09
तहसील व जिला रायपुर
आम सूचना
जारी दिनांक 24/05/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री/श्रीमती कैलाश सतपथी पिता/पति श्री मधुसुदन सतपथी निवासी द्वारा आवेदित भूमि ग्राम-जोरा, प.ह.नं.- 55 रा.नि.मं.-09 रायपुर 09 तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा नंबर 14/28 रकबा 0.395 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 19.04.2024 के परिपालन में दिनांक 06.06.2024 को समय 12.00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो, वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 65 के ग्राम जोरा स्थित पटवारी कार्यालय में वा नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर 09

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय
रायपुर (छ.ग.)
शपथ पत्र

मैं नरेन्द्र देवांगन पिता परमे देवांगन उम्र 43 वर्ष निवासी-ग्राम-मलौद, सिलयारी, जिला-रायपुर (छ.ग.) शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं :-

01. यह कि, मैंने HDFC लाईफ से एक पॉलिसी क्र. - 16997432 लिया हूँ, जिसमें मेरा नाम नरेन्द्र कुमार अंकित किया गया है किन्तु मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड तथा अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम नरेन्द्र देवांगन अंकित है, उक्त दोनो नाम का व्यक्ति मैं ही हूँ, अन्य कोई नहीं, मेरे HDFC लाईफ पॉलिसी में सरनेम देवांगन अंकित नहीं है, ठीक उसी प्रकार मेरा जन्म तिथि उक्त पॉलिसी में 30/12/1981 अंकित है जो कि सत्य व सही है, किन्तु मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड व दस्तावेजो में मेरा जन्म तिथि 01/01/1981 अंकित है, जो कि गलत एवं त्रुटिपूर्ण है। उपरोक्त भिन्नताओं के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सत्यापन :-

मैं नरेन्द्र देवांगन पिता- परमे देवांगन उम्र 43 वर्ष निवासी-ग्राम मलौद, सिलयारी, जिला-रायपुर (छ.ग.) शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 01 से में वर्णित कथन मेरे स्वयं के ज्ञान एवं जानकारी से सत्य एवं सही है, जिस पर मैंने अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया है।

रायपुर छ.ग.
दिनांक - 22/05/2024

शपथकर्ता
नरेन्द्र

शपथ पत्र

संतोष कुमार निर्मलकर उम्र 43 वर्ष पिता श्री गंगुराम निर्मलकर निवासी ग्राम रवेली, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर
आ.नं. - 6195 3381 5997 ....शपथकर्ता

मैं शपथकर्ता निम्नानुसार शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि

1. यह कि मेरा नाम पता आदि उपर लिखे अनुसार है।
2. यह कि आवेदित भूमि ग्राम रवेली, प.ह.नं. 01, रा.नि.मं. खोरपा, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर छ.ग. में भूमि ख.नं. - 515, 773, 775, 1610, 1611 रकबा क्रमशः 0.080, 0.590, 0.230, 0.350, 0.620 हे. कुल खसरा 05 कुल रकबा 1.8700 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में संतोष पिता गंगूराम एवं श्रवण पिता गंगूराम के नाम पर शामिलात खाता मे नाम दर्ज है।
3. यह कि उक्त भूमि का ऋण पुस्तिका की मूल प्रति जारी किया गया था जो कि स्थान रवेली सोसायटी में कही गुम हो गया है, जिसे घर एवं बाहर मे ढूंढने के पश्चात भी पता नही चला है। उक्त ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण खाद, बीज, कृषि लोन आदि लेने में असुविधा हो रहा है।
4. यह कि उक्त भूमि कहीं रहन, गहन, बंधक, गिरवी आदि नहीं है पूर्ण रूप से पाक साफ है तथा पूर्णतः भार मुक्त है।
5. यह कि उक्त ऋण पुस्तिका की गुम हो जाने एवं द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका जारी किये जाने बाबत यह शपथ पत्र पेश है।
6. यह कि मेरे द्वारा किसी भी तथ्य को नहीं छुपाया गया है यदि कोई भी तथ्य असत्य पायी जाती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी। **शपथकर्ता**

सत्यापन

मैं शपथकर्ता शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका 1 से 6 तक मे लिखी गयी समस्त बातें मेरी स्वयं की जानकारी से सत्य व सही होने से अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

दिनांक 23.06.2023 **शपथकर्ता**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद,
तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर
आम सूचना
जारी दिनांक 15.05.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हाजी अब्दुल सलाम पिता/पति मोहम्मद अली निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 50/4, 52/14 रकबा 0.064, 0.087 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 03.05.2024 के परिपालन में दिनांक 30.05.2024 को समय 01 बजे पश्चात मेरे/ गठित दल द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद,
तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर
आम सूचना
जारी दिनांक 15.05.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मोहम्मद नूर आलाम अंसारी पिता/पति मोहम्मद मनीरूद्दीन अंसारी निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 50/2, 52/8 रकबा 0.0630, 0.0870 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 03.05.2024 के परिपालन में दिनांक 30.05.2024 को समय 01 बजे पश्चात मेरे/ गठित दल द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

शपथ पत्र

मै रीना निषाद, उम्र 24 वर्ष पिता श्री हीरा लाल निषाद, निवासी संतोषी नगर, रायपुर छ.ग. जो कि निम्न कथन शपथपूर्व करती हूँ :-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।
2. यह कि मेरे कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की अंकसूची के अलवा मेरे सभी शैक्षाणिक दस्तावेजों में पिता का नाम त्रुटिवंश HEERA LAL दर्ज हो गया है।
3. यह कि मेरे पिता का सत्य व सही नाम HIRA LAL है जो कि सत्य व सही है, तथा मेरे समस्त दस्तावेजों में दर्ज है। पिता के आधार में भी दर्ज है।
4. यह कि मै अपने पिता के उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पिता के नाम है, जिस संबंध में भविष्य में समस्त जवाबदारी मेरी होगी, अतः जिस हेतु सक्षम अधिकारी महोदय के सक्षम शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन :-

मै शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूँ कि उक्त दी गई समस्त जानकारी मेरे स्वयं ज्ञान से सत्य व सही है, जिसे अपना हस्ताक्ष कर सत्यापित किया।

दिनांकः- 24.05.2024 **शपथकर्ता**

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर सेक्टर-27 में स्वतंत्र भवन क्रमांक- पीउए / 155, श्री सतीश कुमार साहू पिता स्व. श्री एस.डी. साहू, निवासी- सी-403, आशा अपार्टमेंट, सड़क नं. 11 प्रगति नगर, रिसाली, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त स्वतंत्र भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 10.06.2011 को रजिस्ट्री पश्चात आधिपत्य की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। श्री सतीश कुमार साहू की मृत्यु दिनांक 29.05.2023 को हो गयी है। श्रीमति मनीषा साहू पति स्व. श्री सतीश कुमार साहू द्वारा अपने पति की मृत्यु होने के उपरांत उक्त स्वतंत्र भवन को अपने नाम पर नामांतारण कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त स्वतंत्र भवन को श्रीमति मनीषा साहू पति स्व. श्री सतीश कुमार साहू के नाम पर नामान्तरण करने में किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना,
नवा रायपुर, अटल नगर जिला-रायपुर (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is Informed to the general public that I, OMPRAKASH DEWANGAN S/O DILIP KUMAR DEWANGAN RESIDENT OF HOUSE NO. 1527, AWADHPURI SHRIRAM DARBAR, BHATAGAON RAIPUR (C.G.) - 492001 have Changed my old Name OM PRAKASH S/O DILIP KUMAR So in future I Should be recognized by my New Name that is OMPRAKASH DEWANGAN S/O DILIP KUMAR DEWANGAN in all Government and other Documents.

OMPRAKASH DEWANGAN
S/O DILIP KUMAR DEWANGAN
H.N.- 1527, AWADHPURI
SHRIRAM DARBAR
BHATAGAON RAIPUR (C.G.)
PIN- 492001

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ओमप्रकाश पिता दिलीप कुमार निवासी- मकान नं. 1527, अवधपुरी, श्रीराम दरबार, भाठागांव, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) पिन 492001 यह शपथ करता हूँ कि मैने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम ओमप्रकाश देवांगन पिता दिलीप कुमार देवांगन रख लिया हूँ।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम ओमप्रकाश देवांगन पिता दिलीप कुमार देवांगन से ही जाना व पहचाना जावें।

ओमप्रकाश देवांगन
पिता दिलीप कुमार देवांगन
मकान नं. 1527, अवधपुरी, श्रीराम दरबार, भाठागांव, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) पिन 492001

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
(Biology, Maths, Commerce)
Register Now at www.mesraipur.com
Highlight
● Spoken English & Personality Development Classes ● Transport & Surveillance Facility ● Monthly Seminar & Discussion ● Personal attention on each students ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features
● Extra curricular activities ● Personal attention to each student Limited student in each class ● Music, Dance, personality development classes ● Yoga ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) Mo.:- 9589085558,9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com
Contact to Add Your School - 79871-19756

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट
समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना। प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक
जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.) स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

खबर संक्षेप

महिला विंग की अध्यक्ष भावना, कार्यकारी अध्यक्ष बनीं डिंपल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी की सर्वसम्मति से छग सिंधी पंचायत महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष भावना कुकरेजा एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डिंपल शर्मा को नियुक्त किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से श्री दरयानी, प्रवक्ता सुभाष बजाज, महासचिव बलराम आहूजा ने संयुक्त रूप से बताया कि सिंधी समाज में एक उदाहरण पेश करते हुए वर्तमान कार्यकरिणी ने बहुमत से निर्णय लिया है कि गुटबाजी को न देखकर कार्य को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं में विगत कई वर्षों से सक्रिय भावना कुकरेजा को प्रदेश अध्यक्ष व डिंपल शर्मा को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सिंधी काउंसिल का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह में 200 बच्चों का सम्मान किया जाएगा। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एवं शदाणी दरबार तीर्थ के संत डॉ. युधिष्ठिर लाल बच्चों को सम्मानित करेंगे। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया, क्लास 9वीं से बारहवीं तक के छात्र, जिनका परसेंटेज 80 से अधिक है, ऐसे 200 बच्चों का चयन किया गया है।

रक्तदान शिविर कल

रायपुर। समाजसेवी संस्था पाञ्चजन्य संतति विकास सेवा समिति छत्तीसगढ़ और कुनकुरी सेवा सदन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन कोटा में किया जा रहा है। रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शुक्रवारी बाजार रेलवे फाटक के पास मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्रमांक-23 में यह कार्यक्रम आयोजित है।

रेलवे के विद्युत लोको शेड में लगाए 37 कैमरे, सुरक्षा-मरम्मत की निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

रेलवे के विद्युत लोको शेड में होने वाले मरम्मत कार्यों की बेहतर निगरानी हो सकेगी। इसके साथ शेड पूरी तरह सुरक्षित भी रहेगा। इसके लिए शेड के चप्पे-चप्पे पर कैमरे लगा दिए गए हैं। रेलवे का मानना है कि इस व्यवस्था से कर्मचारियों की कार्यकुशलता सुदृढ़ होगी। रेलवे की वर्कशाप काफी महत्वपूर्ण जगह है। यहां इलेक्ट्रिक लोको का रखरखाव के साथ तकनीकी खराबियां सुधारी जाती है। इसके बाद ही इंजन ट्रेनों में जुड़ता है। यहां सामान इधर-उधर बिखरे पड़े रहते हैं और यदि काम में थोड़ी भी चूक होती है तो इसके चलते ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हो सकता है। इसे देखते हुए ही रेलवे ने यहां की सुध ली है।

आरपीएफ में जवानों की कमी होने से अब विद्युत लोको शेड की सुरक्षा भी कैमरे के भरोसे

लोको शेड में 37 सीसीटीवी कैमरे का प्रावधान

यहां सूक्ष्म से सूक्ष्म गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। इनकी मदद से रेलवे स्टेशनों और रेल परिसरों में बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। अब मंडल के प्रमुख कार्यालयों व वर्कशाप पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत ही बेहतर सुरक्षा की दृष्टिकोण से सीसीटीवी का प्रविधान किया जा रहा है। इससे यहां की सम्पूर्ण गतिविधियों की बेहतर निगरानी कर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की जा सके। इसी क्रम में विद्युत लोको शेड में 37 सीसीटीवी कैमरे का प्राविधान किया गया है। कैमरे लोको शेड के सभी कार्यस्थलों, शाप, स्टोर, प्रशासनिक भवन, कैंटीन में लगाए गए हैं। इसके अलावा अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को भी पकड़ा जा सकता है।

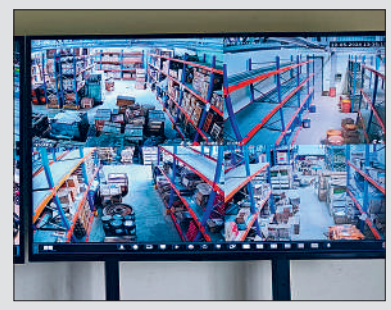

निगरानी के लिए बनाया गया कंट्रोलरूम

इन कैमरों को लगाने के साथ ही निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम भी तैयार किया गया है, जहां एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई है। इनका कनेक्शन सीधे कैमरे से है। स्क्रीन पर पूरे समय लोको शेड की गतिविधियां नजर आती हैं। इन कैमरों के लगने से कहीं न कहीं आरपीएफ को भी राहत मिलेगी। आरपीएफ में बल सदस्यों की कमी है। ऐसी स्थिति में स्टेशन से लेकर कार्यालयों में आरपीएफ जवानों की तैनातगी मुनासिब नहीं है। यह कैमरे ही सुरक्षा बल का काम करेंगे। यदि कुछ घटना होती है, तो आसानी से अपराधियों को पकड़ा जा सकता है। इसके अलावा कर्मचारी भी काम में लापरवाही नहीं बरत सकते। उनमें हर समय कैमरे का डर रहेगा।

महिला लालपुर की रहने वाली, बेटे ने 21 मई को दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

जेवर-कपड़े से हुई महिला की लाश की शिनाख्त, आज पोस्टमार्टम

महिला का मोबाइल घर पर, कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस आगे की जांच करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र में गुरुवार को कमल विहार सेक्टर-4 में नाले के पाइप में मिली महिला की लाश की शिनाख्ती हो गई है। महिला लालपुर की रहने वाली है। महिला के बेटे ने 21 मई को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी मां 18 मई से लापता है। पुलिस के अनुसार लाश के पास से मिले सामान के आधार पर महिला की शिनाख्ती हो पाई है। महिला का शनिवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा, इसके बाद मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान 45 वर्षीय केवरा बाई के रूप में हुई है। मृतका के पहने गहने के आधार पर बेटे ने लाश की पहचान की है। पुलिस के अनुसार महिला का पति नहीं है। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद महिला की तलाश की जा रही थी, इसी दौरान लाश मिलने की सूचना पर गुम महिला के बेटे से संपर्क किया गया और उसे लाश के पास से मिले जेवर तथा कपड़े दिखाए गए, तो बेटे ने लाश अपनी मां की होने की पुष्टि की।

जांच में क्राइम टीम शामिल

कमल विहार में मिली महिला की लाश में चोट के निशान को देखते हुए पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने स्थानीय पुलिस के साथ ही एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट की टीम भी जांच में जुट गई है। लाश की शिनाख्ती होने के बाद पुलिस ने महिला के मोबाइल के बारे में जानकारी हासिल की, तब पुलिस को पता चला कि महिला जिस दिन से गायब हुई है, उसका मोबाइल उसी दिन से घर पर है।

संदिग्ध हालत में मिली युवती की लाश, रेप और हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र के कमल विहार के सेक्टर-4 में एक 26 से 30 साल की महिला की गुरुवार दोपहर लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। महिला की लाश सूनसान झाड़ियों में नाले के पाइप में मिली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमार्टम करने के लिए मरचुरी रवाना कर दिया है। पुलिस को आशंका है कि महिला के साथ रेप करने के बाद हत्या कर लाश झाड़ियों में नाले के पाइप में छिपाई गई होगी। मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

- टिकरापारा थाना क्षेत्र की घटना, घटना स्थल के आसपास शराब की खाली शीशी के साथ डिस्पोजल मिले

पुलिस के मुताबिक महिला की लाश तीन से चार दिन पुरानी है। आसपास के लोगों ने नाले के पास से बदबू आने पर वहां जाकर देखा, तो एक महिला की लाश अर्धनग्न हालत में पाइप के अंदर पड़ी थी। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस तथा फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने आसपास पतासाजी की, तो घटनास्थल के पास शराब की खाली शीशी के साथ डिस्पोजल पड़े मिले। पुलिस को आशंका है कि आसपास मंडराने वाले नशेड़ियों ने महिला के साथ रेप कर हत्या की होगी।

महिला के सिर, चेहरे पर चोट के निशान

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव का परीक्षण किया, तो पाया कि महिला के सिर तथा चेहरे पर चोट के निशान थे। पुलिस को आशंका है कि महिला द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर रेप की घटना को अंजाम दिया होगा। सिर तथा चेहरे पर गंभीर चोट लगने की वजह से महिला की मौत हुई होगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि महिला की साड़ी तथा लहंगा ऊपर उठा हुआ था। साथ ही महिला के अंडरगारमेंट नहीं थे। इस वजह से पुलिस महिला के साथ रेप होने की आशंका व्यक्त कर रही है। शुक्रवार को महिला का शार्ट पीएम मिलने के बाद महिला की मौत की असल वजह के साथ रेप की बात की पुष्टि होगी। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

कॉल डिटेल के आधार पर जांच

हत्या की गुत्थी सुलझाने महिला के मोबाइल को पुलिस एक बड़ा आधार मान रही है। पुलिस के अनुसार महिला जिस दिन अपने घर से गायब हुई थी, उसके पूर्व महिला ने किन लोगों से बात की है, इसके साथ महिला ने आखिरी बार किससे बात की है, पुलिस इस संबंध में जानकारी जुटाने की बात कह रही है। इसके साथ ही महिला आखिरी बार किससे मिली है, इसके बारे में जानकारी जुटाने के बाद जांच की दिशा तय करने की जानकारी दी है।

जिस दिन गायब उसी दिन हत्या की आशंका

पुलिस के अनुसार महिला 18 मई को अपने घर से गायब हुई है। पुलिस को आशंका है कि महिला जिस दिन अपने घर से गायब हुई है, उसकी हत्या उसी दिन कर दी गई होगी। इसके साथ ही पुलिस इस बात की जानकारी जुटा रही है कि आखिर महिला कमल विहार कैसे और किसके साथ पहुंची। इस संबंध में जानकारी जुटाने पुलिस, सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल करेगी।

कमल विहार बना अपराधियों का अड्डा

कमल विहार क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त नहीं होने तथा इलाके के चारों तरफ अंधेरा होने का फायदा असामाजिक तत्व के लोग उठाते हैं। कमल विहार का इलाका टिकरापारा तथा मुजगहन थाना क्षेत्र से सटा है। नियमित पुलिस गश्त नहीं होने तथा क्षेत्र में अंधेरा होने की वजह से इलाके में असामाजिक तत्व शराब खोरी करने के साथ ही चोरी तथा लूट जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। यही वजह है कि कमल विहार में महिला की हत्या होने के पांच दिन बाद पुलिस को घटना की जानकारी मिली है।

हरदीडीह खदान में पकड़ाई दो चेन माउंटेन मशीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ नियम में मजदूरों से कराया जाना है रेत लोडिंग का काम

रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र के हरदीडीह रेत खदान में अवैध उत्खनन और नियम विरुद्ध तरीके से रेत का उत्खनन व लोडिंग का काम किया जा रहा है। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित भी किया था। इस खबर का असर अब देखने को भी मिल रहा है। खनिज विभाग की टीम शुक्रवार को आरंग क्षेत्र के खदानों का निरीक्षण करने निकली थी। इस दौरान हरदीडीह खदान में नियम विरुद्ध तरीके से रेत लोडिंग का काम चेन माउंटेन मशीन से कराया जा रहा था, जबकि यह काम मजदूरों से कराया जाना है। टीम ने इस पर कार्रवाई करते हुए दोनों मशीन को जब्ती बनाया है।

विदित हो कि जिले में 13 रेत खदानें है। इनमें से 6 खदानों हरदीडीह, कागदेही, कुरुद, लखना, कुम्हारी व पारागांव को ही सीआ से एनओसी मिली हुई है, जबकि अन्य खदानों को एनओसी नहीं मिली है। जिन खदानों को एनओसी मिली है, उनमें से कई खदानों में नियम विरुद्ध चेन माउंटेन मशीनों से रेत लोडिंग कराई जा रही है। ऐसे कई मामलों में पूर्व में भी कार्रवाई की गई है। कई खदानों में अवैध रूप से उत्खनन भी किया जा रहा है, लेकिन टीम के निरीक्षण के दौरान आज अवैध उत्खनन का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

ज्यादातर खदानों में नियम का पालन नहीं

जिन खदानों को सीआ से अनुमति मिली हुई है, उनमें से ज्यादातर खदानों में रेत लोडिंग का काम चेन माउंटेन मशीनों से ही कराया जाता है। मजदूरों से रेत लोडिंग कराने में बहुत समय लगता है। इसके कारण रेत का परिवहन भी कम हो पाता है। मशीन से कम समय में रेत की लोडिंग हो जाती है, जिससे ज्यादा से ज्यादा रेत का परिवहन हो पाता है। इससे रेत ठेकेदार को जमकर मुनाफा होता है। इसे देखते हुए खदानों के ठेकेदार मजदूरों की जगह चेन माउंटेन मशीनों से रेत की लोडिंग कराते हैं।

बिजनेस साइट

अविनाश वन: प्राइम लोकेशन और लक्जरी का एक साथ अनुभव

रायपुर। रीयल एस्टेट की अग्रणी कंपनी अविनाश ग्रुप का नया प्रोजेक्ट अविनाश वन तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। यह प्रीमियम रेजिडेंशियल कांप्लेक्स 4 बीएचके, 3 बीएचके, 2 बीएचके और पेंट हाउस अपार्टमेंट्स की विस्तृत श्रेणी पेश करता है, जो आधुनिक जीवनशैली की सभी जरूरतों को पूरा करता है। अविनाश वन एक अनोखा प्रोजेक्ट है, जो मिश्रित जीवन का अनुभव प्रदान करता है। इस सुरक्षित परिसर के अंदर निवासियों को एक ही स्थान पर रहने, खरीदारी करने, काम करने और सामाजिक गतिविधियों का आनंद लेने की सुविधा मिलती है। अत्याधुनिक कार्यालय, कई रेस्टोरेंट, बड़ा मॉल और सुंदर बगीचे यहां स्थापित हैं, जो निवासियों को उनके दरवाजे पर ही सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं।

सिटी आई केयर हॉस्पिटल का निशुल्क नेत्र जांच शिविर

रायपुर। सिटी आई केयर हॉस्पिटल द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 10 अमलीडीह में जोन कमिश्नर नरेंद्र जायसवाल के मार्गदर्शन में सफल निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महावीर नगर रायपुर स्थित सिटी आई केयर हॉस्पिटल का विशिष्ट योगदान रहा, जिसमें रेटिना विशेषज्ञ डॉ. अमृता वर्मा और वरिष्ठ नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने नगर निगम कर्मियों और स्थानीय निवासियों की जांच की। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. मो. शहरयार खान ने किया। उपस्थित लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र देखभाल सुनिश्चित की गई। इसके अलावा डॉ. रश्मि के नेतृत्व में दंत जांच सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस शिविर ने आज की प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में नेत्र स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जहां दैनिक जीवन के लिए अच्छी दृष्टि बनाए रखना आवश्यक है।

स्वदेशी खादी महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाट पंडरी में स्वदेशी खादी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ, जिसमें भीषण गर्मी और कड़ाके की धूप को देखते हुए समर कलेक्शन की ज्यादा रेंज रखी गई है। इस प्रदर्शनी में अन्य उपयोगी वस्तुओं के साथ-साथ मेरठ के खादी कुर्ते, सूती साड़ियां, सूती सूट, तौलिया, कुर्ता-पाजामा, क्रॉकरी, कार्पेट, फर्नीचर, पीतल की मूर्तियों समेत हजारों वस्तुओं का अपार संग्रह एक ही छत के नीचे छत्तीसगढ़ हाट पंडरी में शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना है। प्रदर्शनी सीमित दिनों के लिए है, जिसका समय सुबह 11 से लेकर के रात्रि के 10 बजे तक है। संचालक अनुराग मिश्रा ने आव्हान किया है कि अधिकाधिक संख्या में आएं और प्रदर्शनी में उपलब्ध हथकरघा/हस्तशिल्प उत्पादों के साथ-साथ विशेष छूट का लाभ उठाएं। हथकरघा की वस्तुओं पर 10 प्रतिशत तथा हस्तशिल्प वस्तुओं पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जा रही है।

आईसेक्ट एवं एनएसडीसी का दो दिवसीय कांक्लेव

रायपुर। विकसित भारत में कौशल विकास, वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक उद्यमिता की भूमिका के विषय पर दो दिवसीय कांक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आईसेक्ट एवं एनएसडीसी भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। दो दिनों तक आईसेक्ट के युवा उद्यमियों एवं कियोस्क संचालक को बैंकिंग और डिजिटल ट्रांजेक्शन में कार्य और इसमें संभावनाओं के बारे में विस्तार से अनेक जानकारियां दी जाएंगी। इस अवसर पर आईसेक्ट के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ बहुत ही ऊर्जावान राज्य है और यहां के उद्यमियों में यह ऊर्जा साफ नजर आती है। उन्होंने बताया कि हम 4 करोड़ लोगों तक काम के माध्यम से पहुंचते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि देश के 25 राज्यों में 7800 से अधिक बैंकिंग कियोस्क हैं और इसमें से 85% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

'डॉक्टर ठाकुर होम्योपैथिक क्लीनिक' का भव्य शुभारंभ

रायपुर। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर डॉ. सृष्टि ठाकुर ने दंतेश्वरी मंदिर गोपियापारा स्थित होम्योपैथी क्लीनिक, 'डॉक्टर ठाकुर होम्योपैथिक क्लीनिक' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव नीरज शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सारे विधि-विधान से पूजा की गई। नीरज शर्मा ने रिबन काटकर क्लीनिक का उद्घाटन किया। डॉ. सृष्टि ठाकुर ने बताया कि होम्योपैथी लगभग 250 वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति है, जिसमें किसी रोगी के रोग का संपूर्ण निदान संभव है और इसका कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है। डॉ. सृष्टि ठाकुर होम्योपैथी से पीसीओडी और बांझपन का इलाज सफलतापूर्वक करती हैं और सभी को होम्योपैथी लेने की सलाह देती हैं।

एनटीपीसी में स्वच्छता पखवाड़ा वृक्षारोपण और श्रमदान

रायपुर। स्वच्छता पखवाड़ा (16-31 मई, 2024) के अंतर्गत, एनटीपीसी नवा रायपुर ने 24 मई शुक्रवार को अपने कार्यालय परिसर के पास बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया। सी. शिवकुमार के नेतृत्व में कर्मचारी बड़ी संख्या में इस सामाजिक सरोकार में शामिल हुए और आसपास के इलाकों में सफाई करने के अलावा पेड़-पौधे भी लगाए। इस अवसर पर अरिंदम सिन्हा, एसके घोष और सीजीएम, जीएम और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्री बालाजी विद्या मंदिर के छात्रों का बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर। देवेंद्र नगर सेक्टर-2 स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बोर्ड परीक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त किए। श्री जी. स्वामी ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि ये श्री बालाजी विद्या मंदिर में ही संभव है कि छात्र शाला में वर्षभर होने वाली गतिविधियों में भाग लेकर, जैसे क्रीड़ा में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 20 छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर बास्केटबॉल, तलवारबाजी एवं मुक्केबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त किए एवं राज्य एवं क्षेत्रीय स्तर पर भी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पदक प्राप्त किए। स्काउट एवं गाइड में विभिन्न शहरों में आयोजित कैंप, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी इनका प्रदर्शन सर्वोत्तम रहा। इन सभी गतिविधियों में भाग लेकर भी बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करना इन छात्रों की बड़ी उपलब्धि है। इसमें शिक्षकों एवं अभिभावकों का भी योगदान सराहनीय है। सभी छात्रों को इसी प्रकार पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए।

आधा दर्जन चोरी की दोपहिया के साथ ओडिशा का वाहन चोर गिरफ्तार

■ पुलिस गिरफ्त में आया वाहन चोर पूर्व में भी दोपहिया चोरी के आरोप में जेल जा चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देवेंद्र नगर थाने की पुलिस ने पंडरी में रह रहे ओडिशा के शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की आधा दर्जन दोपहिया जब्त की है। दुर्ग तथा रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से वाहन चोर ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस गिरफ्त में आया शातिर पूर्व में भी पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में वाहन चोरी के आरोप में जेल जा चुका है। पुलिस के मुताबिक दोपहिया वाहन चोरी के आरोप में ओडिशा, का ला हां डी निवासी नवीन उर्फ सुनील सुनानी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना के आधार पर नवीन को चोरी की दोपहिया बेचने ग्राहक तलाश करते गिरफ्तार किया गया है। मौके पर ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस ने नवीन से वाहन के दस्तावेज देने की मांग की, तो उसने गोलमोल जवाब दिया।

झांसा देने नंबर प्लेट बदल देता था : पुलिस ने नवीन के कब्जे से चार नंबर प्लेट जब्त की है। पूछताछ में नवीन ने पुलिस को बताया है कि वह चोरी की दोपहिया को खपाने तथा पुलिस से बचने चोरी की दोपहिया में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेचता था। चोरी की दोपहिया बेचने वह मजदूर वर्ग के ग्राहक तलाशता था, जिसे वह दस्तावेज गुम होने की बात कह कर औने-पौने दाम पर चोरी की दोपहिया बेचता था।

परमहंस बा प्रभु के जन्मोत्सव पर आज विविध कार्यक्रम

रायपुर। राजयोगिनी परमहंस स्वामी सुगंधेश्वरानंद महाराज का जन्मोत्सव शनिवार को स्टेशन रोड स्थित कुमार शॉप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 से प्रारंभ होकर देर रात तक जारी रहेगा। आयोजन समिति के ललिल दत्ता और काजल दत्ता ने बताया कि पाद्य पूजन से प्रारंभ कार्यक्रम में ध्यान-सत्संग के अलावा ओम नमो भगवते वासुदेवाय षोड्ष मंत्र का अखंड पाठ किया जाएगा। इस अवसर पर रायपुर जिले के विभिन्न क्षेत्र के साधक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बीमारियों की रोकथाम और वैक्सीनेशन में निगरानी महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बीमारियों की रोकथाम और चलाए जाने वाले वैक्सीनेशन अभियान में निगरानी अथवा सर्विलांस महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से चलाए जाने वाले अभियान में प्राप्त होने वाला डेटा अनुसंधान में उपयोग किया जा सकता है। वैक्सीन की मदद से बच्चों में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को रोकने और सर्विलांस की मदद से रोग के कारणों की पहचान करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थान सर्विलांस कार्यक्रम की मदद से प्रदेश के अंदर बीमारियों को रोकने और वैक्सीन की मदद से रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि हेल्थ सर्विलांस और इंटेलीजेंस की मदद से टीकाकरण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। पोलियो और स्माल पाक्स को रोकने में टीकाकरण की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में विभिन्न प्रकार के रोगों की सर्विलांस का सबसे बड़ा कार्यक्रम चलाया जाता है, जिससे बड़ी संख्या में डेटा प्राप्त होता है। इसका नई तकनीक के साथ विश्लेषण कर रोगों की रोकथाम और अनुसंधान में अनुप्रयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. रेनू राजगुरु, डॉ. नितिन पाटिल, डब्लूएचओ और प्रो. निर्मल वर्मा, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज उपस्थित थे। कार्यशाला का आयोजन एसपीएच के डॉ. नितिन अग्रवाल, डॉ. शक्थि दास और डॉ. संजीव मेश्राम ने संयुक्त रूप से किया।

कुपोषण बड़ी चुनौती

कार्यक्रम के दौरान एम्स के निदेशक ने कहा कि कुपोषण और भूखमरी एक बड़ी चुनौती है, जिसकी रोकथाम के लिए एम्स राज्य सरकार के साथ मिलकर संयुक्त रूप से काम कर रहा है। एम्स के शिशु रोग विभाग और प्रदेश सरकार न्यूट्रीशनल रिहेब्लीटेशन सेंटर बना रही है। इसके माध्यम से बच्चों में कुपोषण की रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

हरिभूमि
रायपुर, शनिवार 25 मई 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

तीन एल्युमिनियम डोम में कूलिंग ....

लाइव इवेंट

हर दिन बच्चे सीख रहे नई कला कैंप में बिता रहे घंटों समय

रायपुर। स्थानीय जैन समाज विवेकानंद नगर की ओरस से 11 दिवसय ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के तीसरे दिन साबुन निर्माण, डांस, गवली, लीप्पन आर्ट एवं क्रिएटिव लिफाफा बनाना सिखाया गया। इस दौरान लगभग 200 से अधिक बच्चों ने शिविर में हिस्सा लिया। प्रत्येक साल जैन समाज द्वारा बच्चों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है, इस दौरान रोजाना विभिन्न एक्टिविटी कराई जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हो रहे हैं। हर दिन नई कला के बारे में बताया जा रहा है, ताकि रोज कुछ नया सीखने को मिले। बच्चें कर दिन शिविर में घंटो समय बिता रहे हैं।

गुलाब के फूलों से सीखा साबुन बनाना

इस वर्ष प्रशिक्षक के रुप में नीलू निम्माणी,कल्पना लुणावत ,रोशनी नाहटा ,पिंकी बरडिया,नेहा बागमार ,श्रुति चोपड़ा,ईशा बैद ,पूर्वा,मुनोत ,भाविका झाबक,प्रार्थना झाबक ,पूर्वी चोपड़ा,तनवी सुराना,गरिमा गादिया शामिल हुए। प्रशिक्षकों द्वारा निःशुल्क में बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा। शिविर का आयोजन रोजाना सुबह 8 बजे से किया जाता है। शुक्रवार को कैंप में होममेड सोप निर्माण करने की प्रक्रिया सिखाई गई, इस दौरान मौजूदा बच्चों ने गुलाब सोप बनाने की प्रक्रिया सिखा और नोट किया। शनिवार को लिप्पन आर्ट और ग्रुप डांस का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

युवाओं में बढ़ा फुटबॉल का क्रेज, हर साल दोगुने हो रहे खिलाड़ी मैदान में किक, ट्विस्ट, टर्न और स्प्रिंट मूवमेंट से वर्कआउट

मनपसंद खेलों की सूची में फुटबॉल का नाम शामिल है। आज विश्व फुटबॉल दिवस के अवसर पर खेल के फायदे साझा करने जा रहे है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। फुटबॉल खेलने के दौरान किक, ट्विस्ट, टर्न और स्प्रिंट जैसे मूवमेंट की वजह से पूरे शरीर का वर्कआउट होता है। इसे खेलने से एरोबिक कैपेसिटी बढ़ती है। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ये खेल बेहद फायदेमंद है।

शरीर को स्वस्थ रखने के उद्देश्य से माता-पिता बच्चों को फुटबॉल खेलने प्रेरित कर रहे

विश्व फुटबॉल दिवस

रायपुर। छुट्टियों के दिनों में कोई बेहतर एक्सरसाइज के लिए फुटबॉल बेस्ट है। रोजाना 30 से 40 मिनट खेलने से शरीर में दिनभर तंदुरुस्ती बनी रहती है। विश्व फुटबॉल दिवस के अवसर पर हरिभूमि ने फुटबॉल ट्रेनर से चर्चा की और उनसे खेल संबंधित जानकारी एकत्र की। ट्रैनर ने कहा, फुटबॉल एक ऐसा खेल है जिसे खेलने से शरीर के हर हिस्से का वर्कआउट होता है और अतिरिक्त वजन भी तेजी से कम होता है। इससे शरीर स्वस्थ रहने के साथ विभिन्न फायदे नजर आते है।

फुटबॉल से एकता व अनुशासन की शिक्षा

स्पोट्स व फिटनेस ट्रैनर सचिन चिलम्वार ने बताया, फुटबॉल खेलने से बच्चों में तंदुरुस्ती देखने को मिलती है। रोजाना फुटबॉल खेलने के कई फायदे है, इसमें एक ही वक्त में हाथ, पैर और दिमाक का उपयोग करना होता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इससे टीम वर्क,मांसपेशियों की ताकत, अनुशासन, दिनचर्या में बदलाव होता है। हमारी संस्था में 5 साल से बच्चे फुटबॉल खेलने पहुंच रहे, जिन्हें रोजाना मैच, बॉल पास, बॉल के साथ रनिंग जैसे वोमप कराया जाता है।

परिजनों के अनुसार फुटबॉल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

परिजनों से चर्चा के दौरान उन्होंने अपनी-अपनी राय साझा की। श्वेता ने बताया, मेरा बेटे की उम्र 11 वर्ष है। मनन फुटबॉल बीते 2 माह से खेल रहा। फुटबॉल खेलने से उसके दिनचर्या में बदलाव देखने को मिला है। वह समय से पहले अपना काम खत्म कर लेता है। साथ ही उसका स्वास्थ्य में सुधार आया है। गुंजन सिंह ने बताया, मेरे बेटे की उम्र 10 वर्ष है। छुट्टियों का सदुपयोग करने के उद्देश्य से बच्चे का दाखिला फुटबॉल अकादमी में कराया है। रोजाना शाम खेलने से कुछ बदलाव देखने को मिला, इस दौरान मेरे बेटे ने टीम वर्क सिखा है। वह घर पर कई काम टीम वर्क के साथ करना पसंद करता है।

बच्चों में स्ट्रेंथ,स्टेबिलिटी और एनर्जी

मनोवैज्ञानिक सिम्मी श्रीवास्तव ने बताया,स्पोर्ट्स फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इससे बच्चों में समझदारी, एकाग्रता, एकता और जिम्मेदारी के भाव देखने को मिलती है। फुटबॉल खेलने के दौरान बच्चे ध्यान केंद्रित करना सिखते हैं, जिससे उन्हें पढ़ाई में भी सहायता मिलती है। प्रत्येक माता-पिता को बच्चों को खेल के प्रति जागरुक करना चाहिए, फुटबॉल के साथ अन्य खेल शारीरिक विकास के लिए लाभदायक होता है। बचपन में स्पोट्स खेलने वाले बच्चों में स्ट्रेंथ,स्टेबिलिटी और एनर्जी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे उन्हें फायदा होता है। सभी खेल तनाव दूर करने का सबसे बेहतर माध्यम है, इससे आप खुद को तनाव मुक्त महसूस करेंगे।

सिटी इवेंट

बचपन से ही बच्चों में कला विकसित करने की जरूरत

रायपुर। उमंग एजुकेशन सोसाइटी ने बरौदा हाईस्कूल परिसर में समर कैंप का आयोजन कर बच्चों को विविध कलाओं के हुनर की जानकारी दी। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष वंदना सिंह ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही अपनी कला-संस्कृति के प्रति एक सार्थक सोच विकसित करने की जरूरत है। ऐसे ही समर कैंप एक अच्छा मौका हो सकता है। हम नई पीढ़ी को अपने समाज की विभिन्न कला के पहलुओं से अवगत कर सकते हैं। सचिव पिंकी त्रिपाठी ने कहा कि इस समय मोबाइल और डिजिटलाइजेशन के दुष्प्रभाव से दूर रखने के लिए हमें ऐसे कैंप का आयोजन करना चाहिए, जिसमें सब सहभागी हों। हमें स्कूली पाठ्यक्रम में कला प्रशिक्षण की पढ़ाई अलग से समय-समय कर होनी चाहिए। इस अवसर पर संस्था की कोषाध्यक्ष वर्षा शर्मा व सुषमा दुबे ने बच्चों को चित्रकला, मिट्टी कला के गुण सिखाए, जिसमें बच्चों ने उत्साह से हिस्सा लिया। इस समर कैंप में हाईस्कूल व मिडिल स्कूल बरौदा की प्रभारी प्राचार्य सुचित्रा शर्मा सहित शिक्षक व बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद थे।

स्टूडेंट्स ने डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स की सीखी बारीकियां, एक्सपर्ट ने बताया साइंस का महत्व

रायपुर। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर एवं छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय ग्रीष्मकालीन समर कैम्प का समापन शुक्रवार को किया गया। 'वंडर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स' प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक अवधारणाओं, समस्या,समाधान, कौशल और भविष्य की तकनीकी उपकरणों की जानकारी देना रहा। कार्यशाला के दौरान 42 विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया।समर कैम्प के दौरान सीएसवीटीयू के प्रो.थानेश्वर कुमार साहू ने उपस्थित विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स के बारीकियों की जानकारी दी। जिसका विषय'डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स की मूल बातें और संख्या प्रणाली का परिचय' रहा। जिसके पश्चात प्रो.प्रतीक द्विवेदी द्वारा 'लॉजिक गेट्स' विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने लॉजिक गेट्स की दुनिया के बारे में जानकारी दी।

मोबाइल एप्स पर 11 जून से शुरू होगी कार्यशाला

कार्यशाला में इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में उनके महत्व और अनुप्रयोगों के बारे में बताया। इस दौरान वायरलेस कम्युनिकेशन सिस्टम की कार्यप्रणाली और ओल्ड कम्युनिकेशन प्रणाली को विस्तार से समझाया गया। विशेषज्ञों ने सर्किट और सिमुलेशन सॉफ्टवेयर की जानकारी दी। कार्यशाला के अंतिम दिन छत्तीसगढ रीजनल साइंस सेंटर के महानिदेशक एसएस बजाज शामिल हुए, जिन्होंने सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साइंस सेंटर द्वारा 11 जून से 14 जून तक चार दिवसीय 'मोबाइल एप्स' विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाना है।

वैदिक मैथ्स क्लास में बच्चों ने दिखाया हुनर

रायपुर। सिंधु संस्कार सेवा समिति द्वारा पांच दिवसीय वैदिक मैथ्स की क्लास शिक्षा एकेडमी की फाउंडर रश्मि वाधवानी द्वारा सिविल लाइंस में लगाई गई। जहां इन पांच दिनों में बच्चों को 1 से लेकर 99 तक का टेबल सिखाया गया, जिसमें बच्चों ने 1 मिनट 50 सेकंड में 99 तक का टेबल पूरा कर दिखाया। बच्चों को मेडल देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। रश्मि वाधवानी ने बताया कि छोटे बच्चों को मेंटल मैथ्स और 9 साल से बड़े बच्चों को वैदिक मैसेज सिखाया जाता है, वैदिक मैथ्स के 6 लेवल होते हैं। टेस्ट के दौरान सभी बच्चों ने बहुत ही अच्छे तरीके से टेबल लिखकर दिखाया। इसमें प्रथम रोशनी बुलचंदानी, द्वितीय रोहन बुलचंदानी एवं तृतीय स्थान पलक आहूजा को मिला। कार्यक्रम में डिंपल शर्मा, भावना, चांदनी, ज्योति, चंचल बजाज, निशा वाधवानी, हिमांशी बत्रा एवं समस्त सिंधु संस्कार सेवा समिति की सदस्य उपस्थित रहीं।

अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने एसएसपी ने बच्चों को दिए टिप्स

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने श्रीप्रयास संस्थान में नशे के विरुद्ध अभियान के तहत निजात कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे परसेंट से पास होने वाले श्री प्रयास के बच्चों को सर्टिफिकेट देकर उन्हें सम्मानित किया। साथ ही कबड्डी के नेशनल प्लेयर व निजात कार्यक्रम के तहत पुलिस के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने वालों व सहयोग करने वालों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से एएसपी पश्चिम डीआर पोर्ते, थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे, एएसआई अतुलेश राय, एएसआई जयनारायण यादव, सुशील शुक्ला, सुनील पाठक, असवन साहू, सोनू रजक, आनंद शर्मा की प्रमुख भूमिका रही।

कार्नर न्यूज

लोग देशी फलों के साथ विदेशी फलों का भी चखने लगे हैं स्वाद

विदेशी फलों में वियतनाम के ड्रैगन फ्रूट और न्यूजीलैंड की कीवी बढ़ा रहे स्वाद, देशी से तीन गुना महंगे

रायपुर। बदलते समय के साथ अब देशी के साथ विदेशी व्यंजन, फलों का भी स्वाद राजधानी में लोग चखने लगे है। विदेशी व्यंजन का स्वाद तो अब पुराना हो चुका है, वही अब विदेशी फल का स्वाद भी जीभ में चढ़ते जा रहा है। अब ज्यादातर लोग देशी फलों के साथ विदेशी फलों का स्वाद भी चखने लगे है। इसी वजह से अब वियतनाम की ड्रेगन फ्रूट, थाईलैंड की ईमली, न्यूजीलैंड की कीवी के साथ ही एवोकैडो, मैंगो स्टीम, पियर्स, माल्टा आरेंज, ब्लू बैरी भी फल बाजार में सामान्य रूप से नजर आने लगे है। रायपुर के फल बाजार में विदेशी फल बड़ी तदाद में आने लगे है। इनमे ड्रेगन फ्रूट, कीवी, एवोकैडो, माल्टा आरेंज, पियर्स, मैगो स्टीम, थाईलैंड की ईमली, ब्लू बेरी, चेरी के साथ अन्य फल प्रमुख है। धीरे-धीरे इनका बाजार बढ़ता ही जा रहा है।

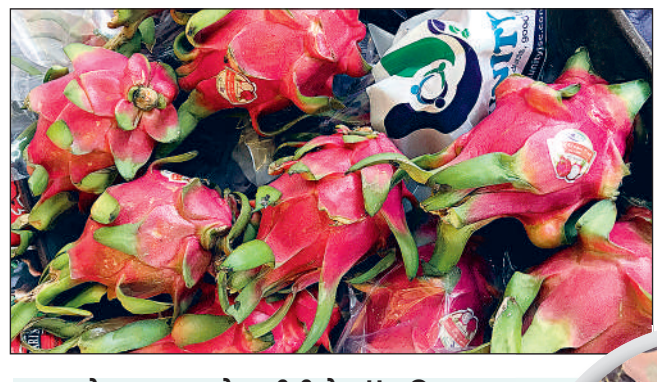

ड्रैगन फ्रुट और कीवी है ऑन डिमांड

वैसे तो देशी फलो के तरह सभी विदेशी फल भी स्वादिष्ट होते है। लेकिन इन सब के बीच ड्रेगन फ्रुट और कीवी की मांग सबसे अधिक रहती है। क्योंकि इन दोनों फलों का स्वाद लोगों को खूब पसंद आ रहा है। ऐसे में फल बाजार में सबसे ज्यादा इन दोनों फल को मंगाया जा रहा है। जहां तीन कीवी फल के लिए 120 रुपये किलो खर्च करना पड़ रहा है, वही एक किलो में दो से तीन चढ़ने वाले ड्रेन फ्रूट के लिए 200 रूपये खर्च करना पड़ रहा है।एवोकैडो, ब्लू बैरी और ड्रेगन फ्रुट स्वादिष्ट होने के साथ ही हेल्दी फल में भी आते है। इन तीनों फल में प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाईड्रेट प्रचूर मात्रा में पाया जाता है, जो मीठा-खटटा स्वाद देने के साथ ही शरीर की ऊर्जा बढ़ाने का भी काम करता है।

इन दामों में उपलब्ध है बाजार में

- कीवी - 600 रूपये किलो
- ब्लू बैरी - 2400 रूपये किलो
- एवोकैडो - 1000 रूपये किलो
- माल्टा आरेंज - 140 से 300 रूपये किलो
- पियर्स - 300 रूपये किलो
- मैंगो स्टीम - 900 रूपये किलो
- ड्रेगन फ्रूट - 200 रूपये किलो
- ईमली - 400 रूपये किलो

महंगे होने के बाद भी मांग बढ़ी

अनिल फ्रूट भंडार के संचालक अनिल बताते है कि बाजार में विदेशी फ्रूट तकरीबन दस साल से आ रहा है, लेकिन शुरूआत में इनका बाजार बड़े शहरों तक ही सीमित रहा। लेकिन इसके बाद विदेशी फल देश के सभी शहरों में पहुंचने लगा। वही अब दो-तीन साल से अपने शहर में बड़े तेजी से इन फलो का चलन बढ़ता जा रहा है। हालाकि ये कुछ महंगे भी होते है, लेकिन इनका स्वाद लजीज होता है, इसी वजह से विदेशी फल लोगों के जुबान में चढ़ता ही जा रहा है और दिनोदिन इसकी मांग बढ़ते ही जा रही है।

धर्म लाइव

6 जून को शिवाजी महाराज का होगा 351वां राज्याभिषेक, तैयारियों में जुटी समिति

रायपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज का 351वां राज्याभिषेक 6 जून को तात्यापारा चौक स्थित शिवाजी महाराज की प्रतिमा के सामने भव्य पैमाने पर मनाया जाएगा। इससे पहले शहरभर में कई होर्डिंग लगाए जाएंगे। शिवाजी प्रतिमा के समक्ष विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 351 दीये हाथों पर लेकर भक्तगण की महाआरती करेंगे। राजधानी स्तरीय होने वाले इस भव्य आयोजन की तैयारियों के लिए अभी से जुटने की और आयोजन समितियां बनाने की जरूरत है। सचिव ने कहा कि वीर सावरकर जयंती 28 मई को शाम सात बजे महाराष्ट्र मंडल के छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह में मनाई जाएगी।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रफुल्ल पेंडसे (चार्टर्ड अकाउंटेंट) होंगे। इस आयोजन में भी समस्त कार्यकारिणी सदस्यों व पदाधिकारियों से अपने-अपने साथ 10- 10 सभासदों को लाने की जिम्मेदारी दी गई है। अंत में उपाध्यक्ष श्याम सुंदर खंगन ने आभार व्यक्त किया।

सर्व सुविधायुक्त बनेगा भवन

महाराष्ट्र मंडल के लगातार आठ बार के निर्वाचित अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि नवनिर्मित भवन में दो लिफ्ट, पार्किंग में पेवर ब्लॉक और जनरेटर लगाने जैसे कई काम बाकी हैं। इन कामों को नए दो वर्षीय कार्यकाल के पहले साल में पूरा करना है। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के एक वर्ष में हमें कमरों की कमी लगातार महसूस हुई। इससे हमारे भवन की बुकिंग भी प्रभावित हुई। एक वर्ष के अंदर हमें सर्व सुविधायुक्त 16 कमरों का निर्माण भी पूरा करना है। काले ने कहा कि आध्यात्मिक समिति की ओर से प्रति शनिवार राम रक्षा स्त्रोत व हनुमान चालीसा पाठ का सिलसिला 20 सप्ताह से लगातार जारी है।

अम्लेश्वर में शिवमहापुराण, कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा के लिए तैयारी

तीन एल्युमिनियम डोम में कूलिंग के लिए फौवारे, वीवीआईपी के लिए 2 हजार सोफे, किनारे सजेंगी 5 हजार कुर्सियां

रायपुर व दुर्ग के आखिरी छोर पर स्थित अम्लेश्वर में देश-दुनिया में शिवमहापुराण के लिए प्रख्यात कथावाचक के आगमन से पहले ही तैयारी का दौर तेज है। उनके साथ आने वाले भक्तों के लिए ही नहीं, बल्कि 4 लाख से ज्यादा कथा श्रोता भीषण गर्मी में सुकून से श्री शिव महापुराण के प्रसंगों को सुन सकें, इसके लिए तीन एल्युमिनियम डोम में 4 लाख लोगों के लिए बैठक व्यवस्था की जा रही है। कूलर व वाटर मिस्टिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा। इससे निकलने वाले फौवारों से लोगों को गर्मी का एहसास भी नहीं होगा।'

रायपुर। शिव कथा के लिए पं. प्रदीप मिश्रा का आगमन हो रहा है। कथावाचक की कथा में होने वाली भीड़ के लिए आयोजकों को तगड़ी तैयारी अम्लेश्वर में करनी पड़ रही है। तैयारी इसलिए भी खास है, क्योंकि शिव शक्ति सेवा समिति के पदाधिकारी इसमें हर वर्ग को जोड़ने के उद्देश्य से तैयारी कर रहे हैं। पहले कार्यालय का शुभारंभ किया और अब कथा स्थल पर 2 लाख वर्गफीट एरिया में तीन एल्युमिनियम डोम आकार लेने लगा है। मुख्य आयोजक पवन खंडेलवाल, विशाल और मौनू साहू ने बताया कि मध्य डोम में महाराज के लिए भगवान शिव का आकर्षक चित्रण करते हुए भव्य मंच सजाया जा रहा है। जहां 27 मई से 2 जून के बीच कथा श्रोताओं का सैलाब उमड़ेगा। इसे देखते हुए 2 लाख वर्गफीट का एक सामान्य पंडाल भी बनवाया जा रहा है। इसमें श्रोताओं को गर्मी से बचाने के लिए अच्छा खासा इंतजार होगा। उनको नौतपा में गर्मी का एहसास नहीं होगा। क्योंकि इसमें 200 वाटर कुलर लगाए जाएंगे।

मुख्य पंडाल में वीवीआईपी

कथा के लिए बनाए जा रहे तीन डोम में से मध्य डोम में वीवीआईपी के लिए मंच के सामने 2 हजार सोफा सजेगा। इसके अलावा तीनों ही डोम में करीब 5 हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। आने वाले कथा श्रोताओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए इसके लिए 5 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता तैयार रहेंगे। कथा में बजरंग दल के सदस्य भी व्यवस्था बनाने में सहयोग देंगे। आने वाले लोगों को बेहतर पार्किंग व्यवस्था कथा स्थल के पास ही दी जाएगी। इससे उन्हें आने-जाने में भी ज्यादा परेशानी नहीं होगी। डाक्टर्स की टीम भी मौके पर तैनात रहेगी। इसके अलावा आस-पास में ही टॉयलेट की सुविधा रहेगी।

महादेवघाट से शोभायात्रा भी...

26 मई की शाम 4 बजे से ही शिव उत्सव का माहौल बनने वाला है। कथा से पहले महादेव घाट से निकलने वाली शोभायात्रा के बारे में आयोजकों ने बताया कि इसमें तीन ट्रेलर पर साउंड सिस्टम और लाइटिंग की जाएगी। शिव परिवार की दो अलग-अलग आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। इसके साथ ही बैंडबाजे व डीजे के साथ घोड़ा, ऊंट भी आकर्षण का केन्द्र होंगे। इसमें व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन के साथ बजरंग दल के कार्यकर्ता संभालेंगे। वे यातायात व्यवस्था बनाने, किसी भी तरह के सहयोग की स्थिति में साथ रहेंगे। शोभायात्रा के दौरान टैंकर से सड़क पर पानी डालने का इंतजाम करने की तैयारी है।

महाराज के साथ 80 लोगों की टीम

कथा की भव्यता को देखते हुए महाराज के साथ भजन-संगीत से जुड़े 80 लोगों की टीम आ रही है। इनके लिए सारी व्यवस्था अलग से की गई है। इनके रहने-खाने व आने-जाने की सारी जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को दी गई है। इसके साथ ही 10 हजार वीवीआईपी के लिए अलग से भोजन की व्यवस्था रहेगी। इसमें व्यवस्था संभालने वाले अधिकारी व डाक्टर्स के साथ पुलिस कर्मि व अधिकारियों के लिए इंतजाम किया जाएगा। कथा के दौरान सुरक्षा के लिए महिला व पुलिस बाउंसर भी मुस्तैद रहेंगे। हर दिन की जिम्मेदारी तय की गई है। व्यवस्था का संचालन आयोजकों के मार्गदर्शन में कथास्थल पर किया जाएगा।

सिटी लाइव

पत्रकार को ऐसा सच बोलना, लिखना दिखाना चाहिए जो जनहितकारी हो

रायपुर। देवर्षि नारद जयंती पर मौजूदा दौर की पत्रकारिता पर विमर्श का आयोजन स्व. मधुकर खेर स्मृति भवन में किया गया। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा बतौर मुख्य वक्ता मंचस्थ थे। वहीं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप जोशी, मनोज बघेल एवं फोटो पत्रकार विनय शर्मा मौजूद थे। प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने समारोह में कहा कि मौजूदा पत्रकारिता की चुनौतियों व संभावनाओं के साथ एक पत्रकार के रूप में नारदजी की भूमिका पर सर्वोपरी थी। मौजूदा दौर में सूचनाओं की भीड़ में सही-गलत खबर को जानना-समझना सबसे बड़ी चुनौती है। मुख्य वक्ता प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने पत्रकारिता के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैंने पत्रकारिता में चार आदर्श सीखे, सज्जनता, निर्भयता, सत्यान्वेषण और मानवीय संवेदना। उन्होंने पत्रकारिता से जुड़ी यादें साझा कीं। मूलमंत्र को लेकर कहा कि पत्रकार की पॉलिटिकल लाइन होनी चाहिए, पार्टी लाइन नहीं।

आज सूचनाओं का बेतहाशा प्रवाह

विशिष्ट अतिथि मनोज बघेल और प्रदीप जोशी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज सूचनाओं का बेतहाशा प्रवाह है। कई बार भ्रांतियां फैलती हैं। व्हाट्स एप यूनिवर्सिटी की सूचनाओं को परखने की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों पर बात की। अब दर्शक भी खेल, विरासत, संस्कृति जैसे विषयों के देखना-पढ़ना नहीं चाहते! आज हमारे बीच रीयल टाइम पत्रकारिता की चुनौती है, इन सबके बीच हमें पत्रकारिता के मूल्यों के साथ काम करना है। वरिष्ठ पत्रकार कौशल किशोर मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकार कुल है, जिसे अपने हित के लिए बेहतर काम करना चाहिए।

कुछ दिन पहले मंदिर प्रांगण में गिर गया था नीम पेड़

नीम पेड़ की लकड़ी से बना रहे भगवान का आसन रथ के तीन गुम्बद पर दिखेगी आकर्षक नक्काशी

रायपुर। श्री जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। प्राचीन मंदिरों में रथ बनाने का काम लगभग अंतिम चरण में है। जून से मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। टूरी हटरी स्थित 500 साल पुराने श्री जगन्नाथ मंदिर में 7 जुलाई को होने वाले रथ यात्रा को लेकर मंदिर में रंगरोगन का कार्य शुरू हो चुका है। इस वर्ष नवीन रथ की निर्माण किया जा रहा, जिसे हबीब खान द्वारा तैयार किया जा रहा। शुक्रवार को महंत राम सुंदर दास और मंदिर के ट्रस्टी विजय कुमार पाली के निरिक्षण के बाद रथ में कुछ बदलाव होने जा रहा। रथ में आकर्षक नक्काशी देखने को मिलेगी। प्राचीन परंपरा के अनुसार रथ तैयार किया जा रहा है।

सप्ताह में पूरा होगा निर्णाण कार्य

पुजारी राम छवि ने बताया कि रथ निर्माण का लगभग 70 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। मठ के महंत के निरिक्षण के बाद अब रथ में दो विशेष परिवर्तन होने जा रहा। कुछ महिनों पहले मंदिर प्रांगण में नीम पेड़ गिर गया था, जिसकी लकड़ियों का उपयोग रथ में किया जाएगा। इससे रथ के तीन गुम्बद और भगवान के आसन तैयार किया जा रहा। बीते एक सप्ताह में निर्माण कार्य पूर्ण किया जाएगा। अम्लीडीह निवासी सुनील साहू द्वारा रथ के रंगरोगन का कार्य किया जा रहा।

शुभ मुहूर्त में होगा श्री जगन्नाथ का महास्नान

श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 22 जून को सुबह 9 बजे शुभ मुहूर्त में भगवान श्री जगन्नाथ को महा स्नान कराया जाएगा। इसके लिए खारून नदीं से पानी लाया जाएगा। महा स्थान में विशेष पूजा अर्चना मंदिर प्रांगण में की जाएगी, जिसके बाद भगवान लगभग 15 दिनों के लिए बीमार हो जाएंगे। 7 जुलाई को मंदिर से भव्य शोभायात्रा की तैयार की जा रही। इस दौरान मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया जाएगा। शहर भ्रमण के लिए भगवान का रथ टूरी हटरी से निकलते हुए, लोहार चौक, पुरानी बस्ती थाना, कंकाली तालाब, आजाद चौक और लाखेनगर स्थित टिल्लू चौक तक जाएगी। टिल्लू चौक स्थित मंदिर में भगवान कुछ दिन अपनी मासी के घर ठहरेंगे, जिसके पश्चात 17 जुलाई को वह वापस अपने स्थान पहुंचेंगे

महासुहृत महाशाक्त यज्ञ में सीएम साय ने जनकल्याण के लिए किया अनुष्ठान

रायपुर। माना में श्री महा दिव्य देशम फाउंडेशन द्वारा मंगल भवन में पांच दिवसीय महा सुहृत महा शाक्त यज्ञ अनुष्ठान का पूर्णिमा की रात दुर्गा शांति के साथ किया गया। इसमें विशेष अनुष्ठान में राज्य के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय और परिवार के सदस्यों के साथ अनुष्ठान में आधी रात शामिल हुए। रात 11.30 बजे से विशेष यज्ञ अनुष्ठान पूज्य राजीव रकुल के द्वारा केरल से आए तंत्रियों द्वारा किया गया। इसमें केरल के दिव्य पद्धति से राजा को शक्ति देने की क्रिया अनुष्ठान में की गई। ताकि राजा को शक्ति मिल सके। मुख्यमंत्री साय ने जनकल्याण, लोककल्याण के लिए मां भगवती से प्रार्थना की, ताकि छत्तीसगढ़ के अंतिम पंक्ति के लोगों तक सरकार की योजना पहुंचे और उनका कल्याण व उत्थान हो। उन्होंने राजीव रकुल से आशीर्वाद लिया और आभार प्रकट किया।

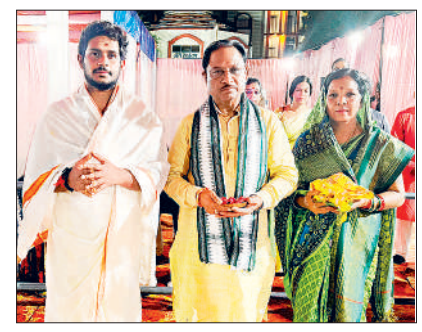

ताकि कुलदेवी, कुलगुरु...

इससे पहले सर्व हिंदू समाज और सनातन धर्म के लिए महा यज्ञ का छत्तीसगढ़ में आयोजन किया, ताकि कुलदेवी, कुलगुरु और पृत को शक्ति मिले। इससे सबका कल्याण हो और भारत विश्व गुरू बनें। आखिरी दिन विशेष अनुष्ठान में संघ के छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के प्रमुख डॉ. पुर्णेंदु सक्सेना, भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष जीतेंद्र वर्मा, भाजपा प्रवक्ता, विहिप और बजरंग दल से जुड़े लोग शामिल हुए। पूज्य राजीव रकुल ने बताया कि महातंत्र क्रिया विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो इस योग्य हैं या मुखिया हैं। इससे लोगों को देवी भद्रकाली असीम समृद्धि और आनंद प्रदान करती है।

समाज इवेंट

गायत्री परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने अपने घरों में किया गृहे-गृहे यज्ञ

रायपुर। गायत्री परिवार ट्रस्ट समता कॉलोनी रायपुर के ट्रस्टियों ने भी अपने-अपने घरों में गृहे-गृहे यज्ञ कराकर यज्ञ में आहुतियां दीं। यज्ञ के माध्यम से आत्मिक शुद्धि, मानसिक शुद्धि और वातावरण की शुद्धि के साथ ही पर्यावरण की शुद्धि का विशेष ध्यान रखा गया। ट्रस्ट के अनुसार रायपुर महानगर में गायत्री शक्तिपीठ के अंतर्गत आने वाले सभी गायत्री संस्थाओं में गृहे-गृहे यज्ञ संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं गायत्री परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टी भी अपने-अपने घरों में यज्ञ में शामिल हुए।

बचपन में बोया जाता है संस्कार का बीज

ट्रस्टी खुद तो यज्ञ में शामिल हो ही रहे हैं, साथ ही अपने परिवार के सदस्यों को भी गायत्री परिवार से जोड़कर गुरुदेव आचार्य पं. श्रीराम शर्मा के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ट्रस्टियों का मानना है कि संस्कार का बीज बचपन में बोया जाता है, पर घर परिवार की बात हो तो लगातार घरों में यज्ञ हवन और संस्कार कराया जाए तो एक बेहतर वातावरण का निर्माण घरों में होता है। ऐसे में हम अपने घर को पहले बेहतर बनाएं, उसके बाद समाज राज्य और राष्ट्र निर्माण की कल्पना करते हैं और इस कार्य में हम लगे हुए हैं। गुरुदेव ने जो नारा दिया था कि हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, हम उसी तर्ज पर कार्य कर रहे हैं और जन-जन के बीच जाकर गायत्री परिवार के विचारों को अवगत कराने में लगे हुए हैं।

आज शाम सिंगर आस्था गिल देंगी लाइव परफॉर्मेंस

बस्तरिहा गाने में संस्कृति की झलक, फैशन में दिखा ट्रेडिशनल लुक

कार्नर न्यूज

रायपुर। टुकनी धर के आबे गोरी तै मउहा बिनेला, आंहू बहाना कर के तोर ले मिले ला.., इस बस्तरीया गाने पर जैसी ही मंच पर स्टूडेंट्स का समूह डांस करने पहुंचा लोगों ने तालियों से जोरदार स्वागत किया। डांस बस्तर की संस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में इस प्रस्तुति ने सभी को आकर्षित किया। मौका था आंजनेय यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय 'उड़ान-24' एनुअल फेस्ट का। यहां शुक्रवार को स्टूडेंट्स ने डांस की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विशिष्ट अतिथि में विधायक बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। कार्यक्रममें अतिथियों के स्वागत लोकगीत की प्रस्तुति के साथ किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य की प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री के स्वागत में प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, हमारे विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'विद्या परम बलम' है। जिसका उद्देश्य ही समाज के हर वर्ग तक शिक्षा की पहुंच को सुनिश्चित करना है। जिसके लिए हमारा कॉलेज लगातार प्रयास कर रहा है। साल भर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रर्दशन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों को मेरिक की सूची में आने पर प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिव्या अग्रवाल,कुलपति डॉ. टी रामाराव, डायरेक्टर जनरल डॉ.बीसी जैन, सुमित श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ी गानों ने मोहा मन

टुकनी धर के आबे गौरी तैं मंउहा बिनेला,आंहू बहाना कर के तोर ले मिले ला...बस्तरीया गाने में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान विद्यार्थी अपने स्थानों पर ही धूमते नजर आये। इस अवसर पर फिल्मी गीतों संग छत्तीसगढ़ी गानों पर प्रस्तुति दी गई। गोविंदा के सुपरहिट गाने पर छात्र-छात्राओं ने सामूह नृत्य की प्रस्तुति दी।

फैशन शो में दिखाया जलवा

एनुअल फेस्ट के दौरान विद्यार्थियों ने फैशन शो में प्रस्तुति दी। इस दौरान रंग बिरंगे परिधानों के साथ विद्यार्थियों ने वॉक किया, जिसे देख दर्शकों से खुब तालिया बटोरी। फैशन शो के दौरान भारतीय संस्कृति संग वेस्टन कल्चर को दिखाया गया। शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में सिंगर आस्था गिल का लाइव परफॉर्मेंस होने जा रहा,कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7:30 बजे की जाएगी।

ज्योतिष शास्त्र

महिला और पुरुष के किस हाथ में होती है करियर और सफलता से संबंधित रेखा?

अगर हम आपसे कहें कि आप अपनी हथेलियों को देखकर अपने भविष्य के बारे में जान सकते हैं तो क्या आप इस पर विश्वास करेंगे? आज भी कई लोग इस पर भरोसा नहीं करते, लेकिन हस्तरेखा शास्त्र की मदद से यह बिल्कुल संभव है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार पुरुषों और महिलाओं की किस्मत अलग-अलग हाथों में लिखी होती है। इसलिए, हस्तरेखा विज्ञान हमें यह समझ देता है कि ये हाथ क्या कहते हैं। अलग-अलग लिंग या जेंडर के लिए भाग्य की शक्ति अलग-अलग हाथों में होती है। अगर आप पुरुष हैं या महिला, तो आपके हाथ एक कहानी बताते हैं। इसलिए, एक हस्तरेखा शास्त्री आपके लिंग के आधार पर यह बताने के लिए अलग-अलग हाथों को देखेगा कि जीवन की झोली में आपके लिए क्या है।

पुरुषों के लिए हस्तरेखा शास्त्र : यदि आप एक पुरुष हैं और सोच रहे हैं कि आपका भविष्य बताने की शक्ति किस हाथ में है, तो इसका उत्तर आपका दाहिना हाथ है। इस हाथ में वो सभी चीजें हैं जो आपने अब तक अपने भाग्य से हासिल की हैं। हस्तरेखा शास्त्र में पुरुष के बाएं हाथ में उसका भविष्य लिखा होता है। इसलिए, यह हाथ बताता है कि आप क्या लेकर पैदा हुए हैं।

महिलाओं के लिए हस्तरेखा शास्त्र : महिलाओं का हस्तरेखा हाथ पुरुषों से अलग होता है। पुरुषों के विपरीत, हस्तरेखा शास्त्री महिलाओं के बाएं हाथ को पढ़ते हैं। वे महिला के भाग्य की पहचान करते हैं और उसके अनुसार अपनी रीडिंग देते हैं। इसके अतिरिक्त, ज्योतिष में महिला के बाएं हाथ का भी कई अर्थ हो सकते हैं।

कॅरियर के लिए महिला और पुरुष की कौन सी हथेली पढ़ें : हस्तरेखा विज्ञान के बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि यह हमें हमारे पेशेवर जीवन के बारे में विभिन्न बातें बताता है। हमारी हथेलियों की रेखाएं हमें हमारे करियर में सफलता के बिंदु से लेकर, व्यवसाय शुरू करने की सही अवधि और यहां तक कि सही करियर का चयन करने तक की बातें बता सकती हैं। इसलिए, हस्तरेखा विशेषज्ञ पुरुषों और महिलाओं के करियर का निर्धारण करने के लिए उनके अलग-अलग हाथ देखते हैं।

हस्तरेखा विशेषज्ञ पुरुषों और महिलाओं दोनों के हाथों में करियर रेखा का निरीक्षण करते हैं। यह रेखा आमतौर पर किसी की मध्यमा उंगली के आधार से शुरू होती है। इसके अलावा, यह रेखा कलाई से ठीक पहले हथेली के आधार तक जाती है। यह रेखा जितनी गहरी और लंबी होगी, पुरुष या महिला का कॅरियर उतना ही मजबूत होगा।

ऐशोआराम की जिंदगी चाहते हैं तो अपनाएं फेंगशुई के ये उपाय, होगी पैसों की बरसात

फेंगशुई एक प्राचीन चीनी मान्यता है जो ऊर्जा प्रवाह के आधार पर किसी इमारत या घर के विन्यास और व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करती है। किसी मकान की वास्तुकला को डिजाइन करते समय फेंगशुई की तकनीक को शामिल करना सकारात्मक ऊर्जा लाने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। चीनी संस्कृति के अनुसार फेंगशुई तत्वों को सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। फेंगशुई एक ऐसा माध्यम है जो धन को आकर्षित करता है। धन के साथ साथ इससे जुड़े उपाय करने से आपको ऐशोआराम का जीवन भी जीने को मिल सकता है। आइए जानते हैं फेंगशुई के उन उपायों के बारे में जो आपके जीवन में पैसों की बरसात कर सकते हैं और सुख समृद्धि भरा जीवन दे सकते हैं।

धन क्षेत्र में रोशनी रखें : जब आपके मनी कॉर्नर को सक्रिय करने की बात आती है, तो प्रकाश व्यवस्था एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, खासकर यदि आपके पास पौधे हैं। ऊर्जा के प्रवाह को बनाए रखने के लिए, आप अपने मनी कॉर्नर को प्राकृतिक रोशनी और लैंप, झूमर से अच्छी तरह से रोशन रख सकते हैं। घर की सजावट की सही शैली को शामिल करके, आप एक सामंजस्यपूर्ण और समृद्ध स्थान बना सकते हैं जो आपके आर्थिक लक्ष्यों का भी समर्थन करता है।

बैंगनी रंग से सजाएं : फेंगशुई में रंग महत्वपूर्ण है और बैंगनी रंग धन क्षेत्र से जुड़ा रंग है, इसलिए यहां बैंगनी रंग की कोई चीज रखने से धन और प्रचुरता सक्रिय हो सकती है। यह कलाकृति का एक टुकड़ा, एक फेंक तकिया, एक प्लान्टर, या कोई अन्य वस्तु हो सकती है जिससे आप आकर्षित हों।

वेट लॉस से लेकर बीपी तक में दिखेगा फर्क

सेहत अच्छी रहे, इसलिए गर्मियों में पीएं ठंडा दूध, होगा फायदा

अगर आप बढ़ते मोटापे से परेशान हैं या फिर हाई बीपी ने आपकी दिक्कतें बढ़ा दी हैं तो, झट से फ्रिज से एक गिलास ठंडा दूध निकालकर पी लीजिए। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, पोटेशियम, फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के साथ सेहत को कई जादुई फायदे पहुंचाते हैं। आमतौर पर लोग अपने दिन की शुरुआत करने से लेकर रात को सोने से पहले एक गिलास दूध जरूर डाइट में शामिल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं गर्मियों में गर्म दूध से ज्यादा फायदेमंद ठंडे दूध का सेवन माना जाता है। आइए जानते हैं गर्मियों में ठंडा दूध पीने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे।

वेट लॉस में फायदेमंद-

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो गर्म दूध की जगह ठंडा दूध पीना शुरू कर दीजिए। ठंडा दूध पीने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जिससे एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न होने के साथ पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है। जिससे व्यक्ति को देर तक भूख नहीं लगती और वो ओवरईटिंग करने से बच जाता हैं। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

मानसिक तनाव रखें दूर

ठंडे दूध में मौजूद विटामिन बी12 की अच्छी मात्रा शरीर के रक्त को पोषित करके ऊर्जा प्रदान करती है। ठंडा दूध पीने से स्ट्रेस से राहत मिलती है और मानसिक तनाव दूर होता है।

एसिडिटी में राहत

अगर गर्मियों में आपकी एसिडिटी की शिकायत बढ़ जाती है तो ठंडा दूध का सेवन आपको फायदा पहुंचा सकता है। ठंडा दूध पेट की अम्लता को नियंत्रित करके पेट की जलन में राहत देता है। दूध में मौजूद कैल्शियम एक्स्ट्रा एसिड को अवशोषित करके एसिड के निर्माण को रोकने में मदद करता है।

हाई बीपी रखें कंट्रोल

हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए भी ठंडा दूध का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ठंडा दूध पीने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और बॉडी में स्ट्रेस हार्मोन में भी कमी आती है। बता दें, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में काफी अहम भूमिका निभाते हैं।

स्किन को मिलता है हाइड्रेशन-

ठंडा दूध का सेवन करने से स्किन को हाइड्रेशन मिलता है, जिससे स्किन ग्लोइंग और हेल्दी बनती है। ठंडे दूध में विटामिन ए की मात्रा होती है, यह त्वचा की रक्षा करती है।

आम खाने पर क्यों निकलती हैं चेहरे पर फुंसियां

गर्मियों के मौसम में आम खाने का मजा ही कुछ और होता है। मीठा-मीठा रसभरा आम मुंह में रखते ही मानो घुलने लगता है। ना सिर्फ बच्चे बल्कि बड़े-बूढ़े भी आम को खूब स्वाद लेकर खाते हैं। बहुत से लोग तो सुबह की शुरुआत मैंगो शेक से करते हैं, दोपहर सलाद की जगह आम खाते हैं और रात में खाना खाने के बाद भी एक-आधे आम का चटखारा ले लेते हैं। अब आम खाने में तो कोई दिक्कत नहीं, लेकिन जरूरत से ज्यादा आम खाना मुसीबत का सबब बनते देर नहीं लगती। असल में जरूरत से ज्यादा आम खाने पर चेहरे पर मुंहासे, पेट में एसिडिटी और सीने में जलन की दिक्कत भी हो सकती है।

पोषक तत्वों से भरपूर आम में फाइबर, विटामिन सी, मैग्ननीशियम और पौटेशियम पाया जाता है और इसीलिए इसे हेल्दी फलों की गिनती में रखा जाता है। लेकिन, आम में फाइटिक एसिड भी होता है जो फुंसी होने का कारण बनता है। फाइटिक एसिड शरीर के तापमान को बढ़ाता है। इस गर्माहट के कारण चेहरे पर एक्ने और ब्रेकआउट्स की दिक्कत हो जाती है। वहीं, अगर आम केमिकल से पकाए गए हों तब भी चेहरे पर फुंसियां निकल सकती हैं। आम के अंदर हाई शुगर कंटेंट होता है जो इसे बेहद मीठा बनाता है। जरूरत से ज्यादा मीठे का सेवन भी फुंसियों की वजह बनाता है। वहीं, आम सीधेतौर पर अगर फुंसियों का कारण ना भी बने तो इसमें एलर्जी वाले संब्सटेंस होते हैं जो फुंसियों या एक्ने का कारण बनते हैं। आम का फोर्टिफाइड जूस भी फुंसियों की वजह बन सकता है।

ऐसे में आम से फुंसियां ना हों इसके लिए आम खाने की मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। दिनभर में 1-2 आम ही खाने चाहिए। इससे ज्यादा आम ना सिर्फ फुंसियों, बल्कि पेट की गड़बड़ी का कारण भी बन सकते हैं। इसके अलावा आम को खाने से पहले कुछ देर भिगोकर रखना जरूरी होता है। आम लगभग डेढ़ से 2 घंटे तक भिगोकर रखने के बाद खाए जा सकते हैं। इसके अलावा बॉडी हीट को मैनेज करने के लिए अपनी डाइट में दूध शामिल किया जा सकता है।

दिन में पिएं बस 1 कप ग्रीन कॉफी, दिल रहेगा चंगा

ग्रीन टी, ब्लैक कॉफी या नियमित पी जाने वाली कॉफी के बारे में तो आप सभी जानते ही होंगे, लेकिन क्या आपने ग्रीन कॉफी के बारे में सुना है? बहुत कम लोग इसके बारे में जानते हैं, लेकिन एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ग्रीन कॉफी के सेहत के लिए बहुत से फायदे हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, ग्रीन कॉफी, जिसे आमतौर पर ग्रीन कॉफी बीन्स के रूप में जाना जाता है और ये कॉफी फ्रूट्स के वे बीज होते हैं, जो भुने हुए नहीं होते हैं। इसका बॉटनिकल नाम कॉफिया है। ग्रीन कॉफी सामान्य कॉफी से कहीं ज्यादा फायदेमंद होती है। कुछ लोग ग्रीन टी जगह, ग्रीन कॉफी लेते हैं।

यह नियमित पी जाने वाली सामान्य कॉफी की तुलना में ग्रीन कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यह एसिड स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। दिन भर में एक से दो कप ग्रीन कॉफी का सेवन आपको वेट लॉस से लेकर हेल्दी हार्ट हेल्थ तक में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक

ग्रीन कॉफी में मौजूद क्लोरोजेनिक एसिड मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न की जा सकती हे। इससे वजन घटाने में सहायता मिलती है।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल : ग्रीन कॉफी के सेवन से ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करती है। इसमें मौजूद क्लोरोजेनिक एसिड इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज के जोखिम को कम किया जा सकता है।

नहीं होती एंटीऑक्सीडेंट की कमी : ग्रीन कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट्स की हाई मात्रा पाई जाती है, जो आपको फ्री रेडिकल के डैमेज से बचाती है। एंटीऑक्सीडेंट सेल डैमेज को रोकने के साथ कैंसर जैसी बीमारी के खतरे को भी कम करते हैं।

दिल रहता है स्वस्थ : ग्रीन कॉफी ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती है, जिससे दिल के स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करती है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाती है।

मस्तिष्क के कार्य में सुधार : ग्रीन कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य लाभकारी कंपाउंड आपके मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं और न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के जोखिम को भी कम करते हैं।

पहली बार पैरेंट्स बनने वाले हैं तो क्या-क्या करनी चाहिए तैयारी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस यमी गौतम हाल ही में मां बनी हैं। वह पैरेंटहुड एंजॉय कर रही हैं। वहीं, ग्लोबल सेलिब्रिटी जस्टिन बीबर ने भी हाल ही में अनाउंस किया कि वे पैरेंट्स बनने वाले हैं। इसे लेकर वह काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। अगर आप भी पहली बार पैरेंट्स बनने वाले हैं और बच्चे की परवरिश को लेकर घबराए हुए हैं तो डरने की कतई जरूरत नहीं है। आइए आपको बताते हैं कि पहली बार पैरेंट्स बनने वालों को क्या-क्या तैयारी करनी चाहिए, जिससे आप पैरेंटहुड एंजॉय कर सकें।

बच्चे से कैसे बनाएं कनेक्शन?

यह बात वाजिब है कि जन्म लेने के बाद बच्चा कुछ भी समझने की स्थिति में नहीं होता है। ऐसे में उसके साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताएं। इससे आपका इमोशनल बॉन्ड मजबूत होगा।. वहीं, जब बच्चा बार-बार आपको देखेगा तो अटेंशन महसूस करेगा. इससे वह भी आपसे जुड़ाव महसूस करेगा।

रंगों से खींचें ध्यान

नवजात बच्चा कुछ बोल नहीं पाता, लेकिन देखकर और सुनकर चीजों को समझने के साथ-साथ उस पर गौर फरमाने की कोशिश करता है। ऐसे में बच्चे को अलग-अलग रंगों की तस्वीरें दिखाएं। इससे वह आपके इशारों को समझकर उन तस्वीरों की तरफ देखने की कोशिश करेगा और रिएक्ट भी करेगा. इससे बच्चे के स्किल्स डिवेलप होंगे।

खुद के लिए वक्त जरूर निकालें

जब कपल की जिंदगी में बच्चे की एंट्री होती है तो उसकी देखभाल में वे अपने क्वालिटी टाइम को भूल जाते हैं। ऐसा करना बेहद गलत है। अगर यह स्थिति लगातार जारी रहती है तो रिलेशनशिप में दूरी आने लगती है। ऐसे में बच्चे की परवरिश के साथ-साथ अपने लिए वक्त जरूर निकालें. बच्चे की देखभाल करते हुए अपने बॉन्ड को मजबूत करने पर भी काम करें।

नींद पूरी करने का भी रखें ख्याल

नए-नए पैरेंट्स अक्सर अपनी नींद न पूरी होने की शिकायत करते रहते हैं, क्योंकि बच्चे के रुटीन की वजह से उनकी नींद कई बार अधूरी रह जाती है। यहां तक कि खुद का शेड्यूल भी काफी हद तक बिगड़ जाता है। ऐसे में अपने डेली पैटर्न को बच्चे के हिसाब से बदलने की कोशिश करें, जिससे आप पूरी तरह एनर्जेटिक रहेंगे। साथ ही, बच्चे का ख्याल भी अच्छी तरह रख पाएंगे।

बच्चा रोए तो कभी न घबराएं

छोटा बच्चा अपनी तकलीफ बता नहीं पाता और रोने लगता है। इससे पैरेंट्स कई बार बुरी तरह डर जाते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें। बच्चे के रोने की वजह जानने की कोशिश करें, जिससे वह चुप हो सके। परेशान होकर आप बच्चे की कोई मदद नहीं कर पाएंगे।

वेज हो या नॉन वेज, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड आपकी जान की है दुश्मन

आजकल लोगों की लाइफस्टाइल पहले के मुकाबले काफी ज्यादा बदल गई है। लोगों की लाइफस्टाइल वेस्टर्न होने के साथ-साथ खानपान भी पूरी तरह से बदल गया है। आजकल पैसा कमाने के चक्कर में घर का खाना छोड़कर लोग ऑफिस में 'रेडी टू इट' या जंक फूड खाना काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

जंक-फूड है बेहद खतरनाक

जंक फूड, तला-भुना खाना या पैक्ड खाना लोगों को काफी अच्छा लगा रहा है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यही गंदी हैबिट्स जो इन दिनों लोगों को बीमार करने के मुख्य कारण है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने से दिल की बीमारी का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है। सिर्फ इतना ही नहीं यह मौत का कारण भी बन सकती है। यह स्टजी 30 सालों के रिसर्च पर आधारित है। डॉक्टर्स के मुताबिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड तो खाकर आप अपनी भूख मिटा लेते हैं, लेकिन यह आपकी जिंदगी को छोटी कर दे रही है।

आईसीएमआर ने क्या कहा?

आईसीएमआर के मुताबिक जंक में काफी ज्यादा फैट होता है जो स्वास्थ्य के लिहाज से बिल्कुल सही नहीं है। साथ ही यह ज्यादा खाने से ब्लड में शुगर लेवल भी बढ़ सकता है। वहीं, इसमें नमक की मात्रा काफी ज्यादा होती है। अगर आपको खुद को हेल्दी रखना है तो आप मोटे अनाज, फल, सब्जियां, थिन प्रोटीन, फैट जैसे पोषक तत्व पर जोर देना चाहिए,ताकि आपकी जिंदगी अच्छी हेल्दी और सेहतमंद रहे।

मिठाई बिस्कुट, पेस्ट्री, बन, केक सभी हैं अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पहले से सॉसेज, नगेट्स, मिठाईस बिस्कुट, पेस्ट्री, बन, केक और चिप्स शामिल होते हैं। इन फूड आइटम में भरपूर मात्रा में चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट होते हैं।

इन बीमारियों का बढ़ाता है खतरा

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड दिल की बीमारी का खतरा बढ़ाती है। इसमें 50 प्रतिशत दिल की बीमारी का जोखिम बढ़ाती है। वहीं, स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी बीमारी का जोखिम 48-53 प्रतिशत बढ़ाती है। टाइप -2 डायबिटीज का जोखिम 12 प्रतिशत तक बढ़ाती है। जितना हो सके इंसान को अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड नहीं खाना चाहिए। कई डाक्टर्स का यह भी मानना है कि हम ऐसा नहीं कह सकते हैं कि इससे बिल्कुल बच जाए, लेकिन कोशिश यह रहनी चाहिए कि जितना हो सके कम से कम खाएं। जितना आप संतुलित आहार लेंगे आपकी सेहत उतना ही अच्छी होगी।

फिल्म इवेंट

छालीवुड

'मोर छंइया भुईया 2' रिलीज, उदय-कार्तिक की जोड़ी है शानदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुप्रसिद्ध निर्माता- निर्देशक सतीश जैन 24 साल बाद फिर से नए अंदाज़ में धमाकेदार फ़िल्म 'मोर छंइहा भुईया 2' लेकर आए हैं। प्रदेशभर के सिनेमाघरों में यह फिल्म 24 मई को रिलीज हुई। यह फिल्म भी सिनेमाघरों में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। निर्देशक-सतीश जैन ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं को गुंथकर गांव व शहर के रहन- सहन तथा पुराने और नए जनरेशन को ध्यान में रख कर पारिवारिक फ़ल्मि बनाई है। फिल्म में कुल 8 गाने हैं, जो छत्तीसगढ़ी संगीत से लबालब हैं। फिल्म में मुख्य नायक की भूमिका में मन और दीपक साहू (मोहिनी फेम) हैं। हीरोइन ऐल्सा घोष व दीक्षा जायसवाल हैं। अन्य प्रमुख कलाकार पुष्पेंद्र सिंह, नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित और धर्मेंद्र चौबे, अनिल शर्मा, प्रीति राजवैद्य, सुरेश गोडाले, मनोज जोशी, अंजली सिंह, सुमित्रा साहू, मनोज वर्मा, प्रदीप शर्मा, शीतल शर्मा, रजनीश झांझी, छोटेलाल साहू, डॉ. अजय सहाय, आलोक मिश्रा, शुभम यादव, जॉनसन अरूण, सलीम खान, सुमित दुआ, सचिन

हालीवुड

कान्स फिल्म फेस्टिवल के कुछ बोल्ड मेकअप, जिसकी खूब रही चर्चा

फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में कान्स फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में एक बार नजर डालते हैं उन मेकअप लुक्स पर, जिसने कान्स के रेड कार्पेट पर खूब तहलका मचाया था। कान्स फिल्म फेस्टिवल में इन एक्ट्रेसेज ने कैरी किया बोल्ड मेकअप लुक। 2017 में, दीपिका ने एक टील ग्रीन कलर का सिल्की गाउन पहना था, जो उनकी बोल्ड स्मोकी आंखों के साथ पूरी तरह से मैच कर रहा था, जो शाइनी और ग्लिटरी टच के साथ काफी आश्चर्यजनक लग रहा था। इसे ड्रामाटिक डायमंड ईयर कफ के साथ पेयर कर दीपिका ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। सोनम कपूर एक बार चमकदार सफेद पोशाक में गहरे स्मोकी-आई लुक के साथ रेड कार्पेट पर चलीं, हालांकि, उनका मेकअप गेम यहां खराब होता नजर आया, जिसने उनके चेहरे को गहरा और सांवला बना दिया था। एक्ट्रेस कंगना रनौत भी कान्स के रेड कार्पेट पर जलवा बिखेर चुकी हैं। उन्होंने अपनी झिलमिलाती बॉडीकॉन ड्रेस के साथ सिल्वर स्मोकी आंखों को चुना जो एक-दूसरे को कॉम्पलिमेंट कर रही हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में हर साल अपनी उपस्थिती दर्ज करवाने वाली एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन भी अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने के लिए जानी जाती हैं। उनका ये सी ब्लू और न्यूड आईशैडो भी काफी शानदार है, जिसकी खूब चर्चा रही थी।

भोजपुरी

अक्षरा सिंह ने शेयर की शावर के नीचे नहाते हुए हॉट तस्वीरें

भोजपुरी सिनेमा में सोशल मीडिया क्वीन के नाम फेमस एक्ट्रेस अक्षरा सिंह आज इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं। अक्षरा भोजपुरी ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक खास पहचान बना चुकी हैं। अक्षरा भोजपुरी सिनेमा की हाई पेड स्टार्स की लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने एक सिंगर होने के साथ ही एक बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर भी अपनी खास पहचान बनाई है। अपने करियर में उन्होंने कई सुपरहिट गानों के साथ कई शानदार गाने दिए हैं। प्रोफेशनल लाइफ के साथ अक्षरा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें के साथ फैंस को ट्रीट देती हैं। इसी बीच अक्षरा सिंह ने अपनी कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो रही हैं। 'बिग बॉस' के घर में अपना जलवा बिखेरने वाली अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है। दरअसल, अक्षरा ने शावर के नीचे नहाते हुए फोटोशूट कराया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस के शरीर पर पानी की बूंदे उन्हें और भी हॉट बना रहा है। गीले बालों से गिरता हुआ पानी उनकी हॉटनेस में चार चांद लगा रहा है। हर तस्वीर में अक्षरा अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे यह एहसास बहुत पसंद है।' उसकी इन बोल्ड तस्वीरों पर फैंस जमकर रिएक्शन देते नजर आ रहे हैं। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, 'कहो तो फायर ब्रिगेड मंगवा दें। कोई 101 पर फोन करो।' दूसरे ने लिखा, 'फायर है।' एक ने कहा, 'कोई फायर ब्रिगेड मंगवा दो।' एक ने कहा, 'जान लेकर ही मानोंगी क्या आज?' अब तक इन तस्वीरों पर ऐसे कई कमेंट्स आ चुके हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल से कनाडा की फेमस मॉडल कोको रोचा का लुक वायरल हो रहा है। जिसमें उनका एकदम अनोखा अंदाज देख आपको उर्फी की याद आ जाएगी। दरअसल, कोको कोट से बनी आउटफिट पहनकर पहुंच गई। जिसमें हर कोई बस उन्हें देखते ही रह गया। उनका अंदाज इतना निराला था कि अब उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। जिसमें आपको भी उनकी क्रिएटिविटी जरूर पसंद आएगी। कोको ने कान्स में अपने पहले लुक के लिए रॉबर्ट वुन के स्प्रिंग 2024 कॉउचर कलेक्शन से बेज कलर की ड्रेस को चुना था। जिसमें एक कॉरसेट और कोट की मदद से गाउन बनाया गया था, जो कमाल का लग रहा था।

बालों के लिए अमृत है ये पानी

हम अपने बालों के लिए क्या कुछ नहीं करते हैं, कभी अंडे का हेयर मास्क लगाना तो कभी हिना से बालों को नरिश करना। लेकिन फिर भी न बालों की हालत पर कोई सुधार नहीं दिखता है। इसका कारण ये है कि आप अपने बालों के लिए सही सामग्री का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। आज हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बालों को मजबूत करने के साथ-साथ रेशम के धागों सा मुलायम भी बना देगा। ये है चावल का पानी जो बालों के लिए अमृत के समान है और इसे 5 तरीको से इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जानते हैं चावल के पानी को इस्तेमाल करने का तरीका।

इस पानी से मिलते हैं बालों को इतने फायदे : आपने कोरियन स्किन के लिए चावल के पानी और पेस्ट को कई तरह इस्तेमाल करने के बारे में सुना होगा लेकिन जितना ये चेहरे के लिए फायदेमंद होता है उतना ही बालों के लिए भी है। ये डैमेज बालों को रिपेयर करता है, उन्हें स्ट्रेंथ देता है, स्मूथ और मैनेजेबल बनाने के साथ-साथ शायनी भी बनाता है। इतने सारे फायदों के साथ आप इसे 5 तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने डेली हेयर केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

बालों पर लगाएं राइस वॉटर स्प्रे : जिस पानी में आप चावल को वॉश कर रहे हैं, उसे एक स्प्रे वाली बोतल में भरकर रख दें और फिर रोज अपने बालों और स्कैल्प पर स्क्रब करें। ये आपके बालों की ग्रोथ को बढ़ाएगा और स्कैल्प को भी हेल्दी रखेगा।

ऐसे करें बालों की धुलाई

अगर आप शैम्पू में राइस वॉटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं तो उसकी जगह बालों को धोने के लिए पानी की जगह इसे यूज कर सकते हैं। इससे बालों में कंडीशनिंग जैसा लुक आएगा और रूखापन भी खत्म होगा।

पानी में बालों को भिगोकर रखें

अगर आप बालों हेल्दी रखना चाहते हैं तो इस तरीके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक बाउल में चावल के पानी को भर लें और फिर उसमें अपने बालों को भिगोकर रखें या डिप करें। इससे आपको ड्राई बालों के साथ-साथ स्कैल्प पर होने वाली खुजली से भी राहत मिलेगी।

ऐसा करें हेयर स्पा

पार्लर से हेयर स्पा करवाने में आपके कम से कम 1000 रुपए तो लगते ही हैं, लेकिन अगर पार्लर जैसा हेयर ट्रीटमेंट घर पर मिल रहा हो तो? जी हां, आपको बस चावल के पानी में दही और नारियल का तेल मिक्स करके बालों पर लगा सकते हैं। ये बालों को नरिश करने के साथ-साथ फ्रिजीनेस से भी छुटकारा देने में मदद करता है।

लिपस्टिक लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान, मिलेगा स्मूद लुक

लिपस्टिक हर लड़की के मेकअप का बेहद ही जरूरी हिस्सा है। चाहे ऑफिस हो या पार्टी लड़कियां कहीं जाने से पहले लिपस्टिक लगाना कभी नहीं भूलतीं। ये एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जिसके इस्तेमाल से हर लड़की के लुक में चार चांद लग जाते हैं। लिपस्टिक कई तरह की आती हैं, जिनको लगाने का तरीका भी अलग-अलग होता है। सभी महिलाएं अपने रंग और प्रोफेशन के हिसाब से लिपस्टिक का शेड चुनती है।

लिपस्टिक का शेड चुनना तो आसान होता है, पर कई लड़कियों को सही से लिपस्टिक लगाने का सही तरीका नहीं पता होता। जिस वजह से कई बार लिपस्टिक खराब लगती है। इसी के चलते आज की खबर में हम आपको लिपस्टिक लगाने का सही तरीका बताएंगे। अगर आप इन बातों को फॉलो करती हैं तो आपकी होंठ ना तो ड्राई दिखेंगे और ना ही ज्यादा ग्लोसी।

इस तरीके से लगाएं लिपस्टिक : जब भी लिपस्टिक लगाने की शुरुआत करें तो हमेशा लिप्स के बीच वाले हिस्से से करें। किनारे से लगाने पर लिपस्टिक फैल जाती है और इस से आप के लिप्स की शेप भी अच्छी नहीं दिखती।

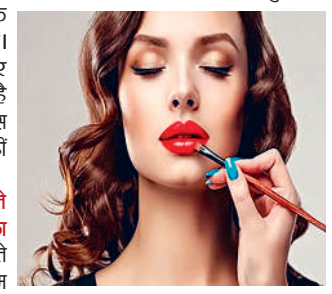

मैट लिपस्टिक लगाते समय रखें इस बात का ध्यान : लिपस्टिक लगाते समय सबसे पहले लिपबाम लगाएं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो मैट लिपस्टिक हटने लगेगी। इसीलिए पहले लिपबाम लगाएं। इसके साथ ही मैट लिपस्टिक को हमेशा डायरेक्ट लगाएं। इसके लिए ब्रश का इस्तेमाल नहीं करें। अगर आपकी लिपस्टिक जम गई है तो गर्म पानी डालकर उसे सही कर लें।

लिप्स पर करें डबल कोटिंग : कई मैट लिपस्टिक काफी ड्राई होती है। अगर इसका एक कोट आप लगाती हैं तो लिप्स सूखे लगते हैं। इसी के चलते लिपस्टिक के हमेशा दो ही कोट लगाएं। पहला कोट लगाकर इस पर टिशु रखें और हल्का सा प्रेस करें। अब दूसरी बार लिपस्टिक को लिप्स पर अप्लाई करें।

क्वालिटी का रखें खास ध्यान : लिपस्टिक लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि पुरानी एक्सपायर लिपस्टिक आपके होंठों पर एलर्जी का कारण बन सकती है। कई मामलों में लोकल लिपस्टिक से भी रिएक्शन होते देखा गया है।

तेज धूप से त्वचा को कैसे बचाएं? जानें गर्मियों में स्किन केयर का सही तरीका

आमतौर पर मई को सबसे गर्म महीना माना जाता है। वर्तमान में तापमान सामान्य रूप से 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। तेज उमस वाली धूप और गर्मी में घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं होती, क्योंकि इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर देखने को मिलता है। गर्मियों में लोग सनबर्न, स्किन टैनिंग, रेडनेस, रैशेज और घमौरियां आदि त्वचा संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं। हालांकि, तेज गर्मी से त्वचा को बचाने और इस मौसम में भी दमकता निखार पाने के लिए कुछ सस्ते और घरेलू स्किन केयर टिप्स दिए जा रहे हैं, जिसे अपनाकर सनबर्न और टैनिंग से बच सकते हैं।

अन्य तरीके

- सनबर्न और टैनिंग को दूर करने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें।
- नाइट केयर के लिए एलोवेरे जेल का इस्तेमाल करें।
- दिन में दो बार चेहरा अच्छे से धोएं।
- टैनिंग दूर करने के लिए टमाटर के रस को फेसमास्क की तरह लगाएं।

भीषण गर्मी में बाहर निकलने से बचें

हो सके तो दोपहर 12 बजे से 3-4 बजे तक धूप में देर तक बाहर न रहें। इस समयावधि में सूरज भीषण आग उगल रहा होता है ,जो त्वचा के लिए नुकसानदायक है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

टैनिंग और सनबर्न से बचने के लिए धूप में निकलते समय सनस्क्रीन जरूर लगाएं। सनस्क्रीन सूरज की नुकसानदायक किरणों से त्वचा को सुरक्षित रखती है। लोशन को चेहरे, हाथों और गर्दन पर लगाएं।

अक्सर महिलाएं मेकअप के वक्त करती हैं ये गलतियां, आप भी जानें

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे मेकअप करना पसंद नहीं होगा। खासतौर पर अगर बात करें आजकल की लड़कियों की तो वो हर जगह अलग तरीके से मेकअप करना पसंद करती हैं। एक समय था, जब लड़कियां मेकअप सिर्फ अच्छा दिखने के लिए करती थीं, लेकिन आज के समय में मेकअप से आत्मविश्वास बढ़ता है। इसी के चलते हर लड़की के बैग में मेकअप के कुछ सामान जरूर होते हैं।

वैसे तो मेकअप करना काफी आसान होता है, लेकिन बहुत सी लड़कियां मेकअप करते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर देती हैं, जिससे उनका लुक खराब हो जाता है। ऐसे में आपको मेकअप करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

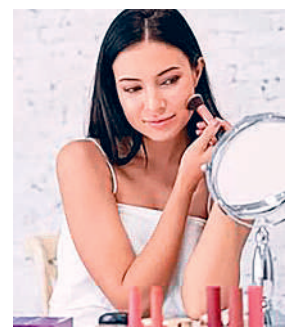

मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं : ज्यादातर महिलाएं ये सोचती हैं कि मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर लगाएंगी, तो आपका मेकअप और खूबसूरत तरह से ब्लेंड होगा।

करें सही फाउंडेशन का चुनाव : अगर आप गलत शेड के फाउंडेशन का इस्तेमाल करेंगी तो इससे आपका लुक बिगड़ सकता है। हमेशा अपनी स्किन टोन के हिसाब से ही फाउंडेशन खरीदें।

ना लगाएं लेयर पर लेयर : एक बार मेकअप होने के बाद उसके ऊपर अतिरिक्त लेयर ना लगाएं। इससे आपका लुक बिगड़ सकता है। मेकअप की ज्यादा लेयर होने की वजह से मेकअप में क्रेक पड़ सकता है।

सही से करें ब्लेंड : ज्यादातर महिलाएं महंगे मेकअप खरीद तो लेती हैं, लेकिन उन्हें मेकअप सही से ब्लेंड करना नहीं आता। ऐसे में मेकअप ब्लेंड करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि इसे ज्यादा घिसे नहीं। इससे मेकअप खराब हो सकता है।

कार्नर न्यूज

ट्रेंड फॉलो करने के चक्कर में पूरा लुक खराब हो जाता है

इन रंगों के साथ बदल लें अपने बालों का कलर अलग अंदाज देखकर लोग करेंगे तारीफ

आप लुक में बदलाव करने के लिए हेयर कलर करना चाहती हैं, लेकिन आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि कौन-सा कलर चुनें? जब भी बालों में कलर कराने की बात आती है तो आप ट्रेंड में चल रहे कलर ही कराती हैं। मगर ऐसे में आपको हेयर कलर का चुनाव अपनी त्वचा और आंखों के रंग को ध्यान रखकर करना चाहिए। क्योंकि, ट्रेंड फॉलो करने के चक्कर में आप कभी-कभी कुछ गलतियां कर देती हैं, जिससे पूरा लुक खराब हो जाता है। इसलिए चयन के समय कुछ खास बातों का ध्यान रखें। आप जब भी हेयर कलर करवाने जाएं तो वहां मौजूद एक्सपर्ट से जरूर पूछे कि आपके चेहरे, बालों की लंबाई और बनावट के हिसाब से कौन-सा हेयर कलर आप पर सूट करेगा।

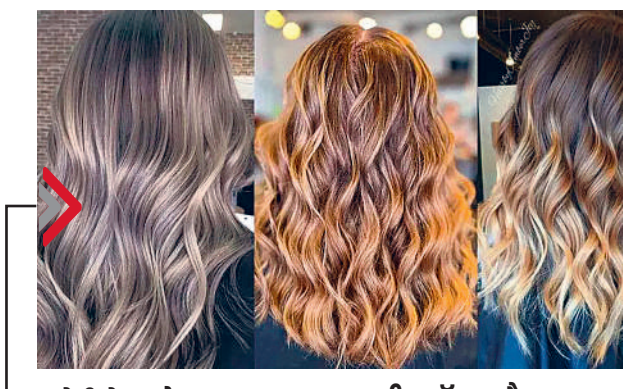

चेरी रेड और ब्लू

अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल हैं तो ये दोनों बोल्ड हेयर कलर चुन सकती हैं। चेरी रेड गोरे लोगों पर काफी अच्छा दिखता है। इस साल ब्लू हेयर कलर के टील ब्लू, एक्वामरीन या इलेक्ट्रिक ब्लू कलर ट्रेंड में रहेंगे। इन्हें अपनाकर आप स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

हनी ब्लॉन्ड और ब्राउन

आप बालों के लिए हनी-गोल्डन ब्राउन रंग का चुनाव कर सकती हैं। यह सभी प्रकार की स्किन टोन और आंखों के रंगों वाली महिलाओं को एक स्टाइलिश लुक देता है। लेकिन, अगर आपकी त्वचा का रंग गेंहुआ है तो हनी ब्लॉन्ड हेयर कलर आप पर काफी सूट करेगा।

वार्म ब्रुनेट्स, ओंब्रे कलर

अगर आपकी त्वचा डार्क मीडियम स्किन टोन की है तो वार्म ब्रुनेट्स हेयर कलर को ट्राई कर सकती हैं। यह आपको एक बेहतरीन लुक देगा। ओंब्रे हेयर कलर हल्की रंग की त्वचा वाली महिलाओं पर ज्यादा सूट करता है।

सेवरल शेड्स

सेवरल शेड्स में अधिकतर ब्राउन शेड के साथ सुनहरा टच भी होता है। जब ये दोनों रंग मिलते हैं तो बहुत ही खूबसूरत शेड बनता है। अगर आपके बाल वेवी कट या कर्ली हैं तो आप इसे ट्राई कर सकती हैं।

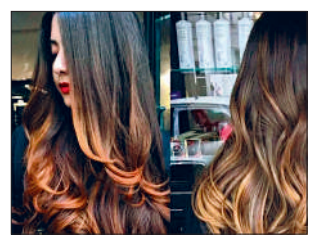

त्वचा और आंखों का रंग

अगर आपकी त्वचा का रंग गोरा है तो आप कोई भी हेयर कलर करवा सकती हैं। लेकिन अगर आपका रंग सांवला है तो आप ब्लू ब्लैक, कॉफी ब्राउन, मीडियम एस ब्राउन, मीडियम गोल्डन ब्राउन और साफ्ट एंड पिपर जैसे रंग करवा सकती हैं। भूरी और हल्की रंग की आंखों वाली महिलाएं लाल और गोल्डन हेयर कलर शेड्स चुन सकती हैं। अगर आपकी आंखों का रंग काला है तो आपको गोल्ड या एश कलर का चुनाव करना चाहिए। हेयर कलर करवाने के बाद आप अपने बालों को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाएं। इससे बालों का हेयर कलर फेड होने से बच जाएगा और लंबे समय तक रहेगा। वहीं, हेयर कलर किसी एक्सपर्ट से ही करवाएं और उसकी सलाह के अनुसार ही कलर प्रोटेक्टिंग शैंपू और कंडीशनर का चुनाव करें। हेयर स्टाइलिंग के लिए ज्यादा हेयर हीटिंग मशीन का इस्तेमाल करने से बचें, ताकि बालों पर रंग लंबे समय तक रहें।